TNF TODAY
टीएनएफ टुडे
थॉट्स न्यूज फैक्ट्स टुडे
tnftoday | tnftoday
www.tnftoday.com / epaper | Trial Edition

परिवार नियोजन को अंतरा पर बढ़ रहा विश्वास (पेज-3)

पृष्ठ- 08 | वर्ष-01 अंक-13 | मूल्य ₹7 | शनिवार | दिनांक- 11.07.2026

'एसआईटी की फाइनल रिपोर्ट आने तक अयोध्या छोड़कर नहीं जाऊंगा'

एजेंसी, अयोध्या।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने अपने करीबी सहयोगियों से कहा है कि एसआईटी की अंतिम जांच रिपोर्ट आने तक वह अयोध्या नहीं छोड़ेंगे। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने तक वह यहीं रहकर हर आवश्यक सहयोग देंगे।

बताया जा रहा है कि चंपत राय 23 जून से राम मंदिर परिसर से सटे तीर्थ क्षेत्र भवन में ही निवास कर रहे हैं। हाल के दिनों में वह सार्वजनिक कार्यक्रमों और मंदिर की नियमित प्रशासनिक गतिविधियों से दूरी बनाए हुए हैं, लेकिन ट्रस्ट से जुड़े लोगों और सहयोगियों से लगातार संपर्क में हैं। इसी क्रम में बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक प्रकाश शर्मा ने शुक्रवार को तीर्थ क्षेत्र भवन पहुंचकर उनसे मुलाकात की और करीब एक घंटे तक बंद कमरे में वार्ता की।

हथियारों की पकड़ी गई बड़ी खेप, थार में छिपाकर ले जाई जा रही थीं 11 पिस्टल

खेरागढ़ पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में 11 ऑटोमैटिक पिस्टल, लग्जरी गाड़ी की फर्जी नंबर प्लेट और नकदी बरामद

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा पुलिस कमिश्नरेट ने अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। थाना खेरागढ़ पुलिस, एसओजी पश्चिमी जोन और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने सैफऊ बॉर्डर के पास घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 11 ऑटोमैटिक पिस्टल, अतिरिक्त मैगजीन, महिंद्रा थार, नकदी और गाड़ी की फर्जी नंबर प्लेट बरामद की हैं।

मुखबिर की सूचना पर बिछाया गया जाल

पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि दो युवक बड़ी मात्रा में अवैध हथियारों की खेप लेकर क्षेत्र से गुजरने वाले हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर खेरागढ़ पुलिस और एसओजी की टीम सक्रिय हो गई। संयुक्त टीम ने सैफऊ बॉर्डर स्थित गौशाला के आगे पुलिया के पास चेकिंग अभियान शुरू कर दिया।

हाथरस और धौलपुर के रहने वाले हैं आरोपी

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हाथरस निवासी उदयवीर सिंह और राजस्थान के धौलपुर निवासी यश शर्मा उर्फ अन्नू के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को संदेह है कि दोनों लंबे समय से अवैध हथियारों की तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि आरोपी अलग-अलग राज्यों से हथियार लाकर उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों में उनकी सप्लाई करते थे। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है।

इसी दौरान एक संदिग्ध महिंद्रा थार को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही वाहन सवारों ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी में निकला हथियारों का जखीरा

पुलिस ने जब आरोपियों और वाहन की तलाशी ली तो थार से 11 अवैध .32 बोर ऑटोमैटिक पिस्टल और 10 अतिरिक्त मैगजीन बरामद हुईं। इसके अलावा दो मोबाइल फोन, 5,850 रुपये नकद और चार नंबर प्लेट भी बरामद की गईं। जांच में सामने आया कि बरामद नंबर प्लेटों में दो प्लेट फर्जी हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी वाहन की पहचान छिपाने के लिए इन फर्जी नंबर प्लेटों का इस्तेमाल कर रहे थे या नहीं।

पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस अब यह पता लगाने कोशिश कर रही है कि बरामद हथियार किस राज्य से लाए गए थे और इन्हें किन लोगों तक पहुंचाया जाना था। इसके साथ ही आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और उनके संपर्कों की भी जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई को अवैध हथियारों के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में तस्करी के नेटवर्क से जुड़े कई और अहम खुलासे हो सकते हैं।

नकली दवाओं के सिंडिकेट पर एफएसडीए का शिकंजा

कई जिलों की टीमों का ताबड़तोड़ छापा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा में नकली और संदिग्ध दवाओं के कारोबार के खिलाफ एफएसडीए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कम्मू टोला स्थित वंश फार्मा और मोहन ट्रेडर्स समेत कई प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। जांच में ऑक्सालिज्जिन डीपी, टेल्मा-40 और अन्य दवाओं की सप्लाई चेन खंगाली जा रही है। मोहन ट्रेडर्स पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है और अब विभाग पूरे नेटवर्क, दस्तावेजों और स्टॉक की जांच कर रहा है।

आगरा। आगरा में नकली और संदिग्ध दवाओं के कारोबार के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब के नेतृत्व में आगरा समेत कई जिलों की संयुक्त टीमों ने शहर के दवा बाजार में व्यापक छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान कम्मू टोला स्थित वंश फार्मा और मोहन ट्रेडर्स के प्रतिष्ठानों पर घंटों तक जांच-पड़ताल की गई। एफएसडीए अधिकारियों ने एएस कॉम्प्लेक्स और मुबारक महल में संचालित कई दवा प्रतिष्ठानों के स्टॉक, खरीद-बिक्री के दस्तावेजों और बिलों की गहन जांच की। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि संदिग्ध दवाओं की सप्लाई किन-किन जिलों और राज्यों तक फैली हुई है।

जांच के दौरान चेमोरल फोर्ट, ऑक्सालिज्जिन डीपी और टेल्मा-40 समेत कई चर्चित दवा ब्रांडों की सप्लाई चेन खंगाली जा रही है। अधिकारियों को शक है कि इन ब्रांडों के नाम पर नकली दवाओं का कारोबार किया गया है। इसके अलावा राजस्थान में प्रतिबंधित आईपील (IPill) और अनवांटेड-72 जैसी दवाओं के नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, जांच में श्री जी फार्मा से नकली ऑक्सालिज्जिन डीपी की सप्लाई के तार जुड़ने का दावा सामने आया है। इसी कड़ी में मोहन ट्रेडर्स की भूमिका भी जांच के घेरे में है। आरोप है कि मोहन ट्रेडर्स ने श्री जी फार्मा से भारी मात्रा में संदिग्ध और नकली दवाओं की खरीद की थी। हालांकि, इस मामले में अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे।

मोहन ट्रेडर्स का नाम पहले भी विवादों में आ चुका है। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार, इस प्रतिष्ठान पर पहले भी कई बार छापेमारी की जा चुकी है। बीते दिनों Gelvas Met दवा के 40 कार्टन जब्त किए गए थे। जांच में यह तथ्य सामने आया कि पुदुचेरी से खरीदे गए इन कार्टनों की सप्लाई अर्जुन फार्मास्यूटिकल्स के अनूप गुप्ता द्वारा मोहन ट्रेडर्स को की गई थी।

एफएसडीए की टीम अब पूरे सप्लाई नेटवर्क की परत-दर-परत जांच कर रही है। अधिकारियों द्वारा स्टॉक का भौतिक सत्यापन, खरीद-बिक्री के बिलों का मिलान और विभिन्न राज्यों के वितरकों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूजीलैंड में भारतीयों का भारत से जुड़ाव आज भी अटूट: मोदी

प्यार और अपनापन देख भावुक हुए पीएम

एजेंसी, ऑकलैंड।

तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां रह रहे भारतीयों के प्यार, अपनापन और भारत से उनके अटूट जुड़ाव की दिल से सराहना की। यह 40 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की न्यूजीलैंड की पहली आधिकारिक यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट किया, "न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीय समुदाय का प्यार और अपनापन मेरे दिल को छू गया। उन्होंने एक भारतीय प्रधानमंत्री के दौरे का चार दशक तक इंतजार किया है, और आज उनका उत्साह और गर्मजोशी साफ दिखाई दी। भारत के साथ उनका रिश्ता आज भी उतना ही मजबूत और अटूट है।" न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। इस दौरान न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी समेत न्यूजीलैंड के कई अधिकारी मौजूद रहे।

पीएम लक्सन ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत का वीडियो साझा कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड में आपका स्वागत है।"

प्रधानमंत्री मोदी ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए प्रधानमंत्री लक्सन का आभार जताया। न्यूजीलैंड पहुंचने पर, प्रधानमंत्री मोदी ने ऑकलैंड की अपनी यात्रा को 'ऐतिहासिक' बताया और कहा कि वह लक्सन के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, "थोड़ी देर पहले ऑकलैंड पहुंचा। एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए प्रधानमंत्री लक्सन का शुक्रिया। यह दौरा ऐतिहासिक है, चार दशकों में न्यूजीलैंड का यह पहला प्रधानमंत्री दौरा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष बने प्रशासक, सरकार ने जारी किया आदेश

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक नियुक्त कर दिया है। शासन ने इस संबंध में शुक्रवार रात आदेश जारी कर दिया है। सभी 75 जिला पंचायत अध्यक्षों का पांच वर्षीय कार्यकाल शनिवार को समाप्त हो रहा है। नई व्यवस्था बनने तक अब संबंधित जिला पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों का कामकाज निवर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक के रूप में संभालेंगे।

पंचायती राज विभाग ने पहले ही शासन को इसका प्रस्ताव भेज दिया था, जिस पर सरकार ने मुहर लगा दी। वर्ष 2021 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्षों की पहली बैठक 12 जुलाई 2021 को हुई थी। इसी आधार पर उनका कार्यकाल 11 जुलाई यानी शनिवार पूरा हो रहा है। इससे पहले 26 मई को ग्राम पंचायत प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने पर भी प्रदेश सरकार ने पहली बार निवर्तमान ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त किया था। इससे पूर्व यह जिम्मेदारी अधिकारियों को सौंपी जाती थी। अब उसी व्यवस्था को जिला पंचायतों और क्षेत्र पंचायतों में भी लागू किया गया है। जिला पंचायत अध्यक्षों को प्रशासक बनाए जाने के बाद अब ब्लॉक प्रमुखों का भी रास्ता साफ हो सकता है। ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल 19 जुलाई को समाप्त हो रहा है। उसमें भी यही व्यवस्था लागू की जाएगी।

पहले वंदे मातरम फिर जन-गण-मन होगा: केन्द्र सरकार

5 महीने में दूसरी बार निर्देश, राज्यों से कहा- सख्ती से पालन कराएं

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रगान जन-गण-मन और राष्ट्रगीत वंदे मातरम् को लेकर सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों को नए निर्देश जारी किए हैं। मंत्रालय ने कहा है कि नियमों में पहले से तय है कि किन कार्यक्रमों में दोनों को गाना या बजाना जरूरी है। मंत्रालय ने कहा कि एक ही कार्यक्रम में दोनों में से पहले वंदे और फिर जन-गण-मन होगा। जिन राज्यों में राज्य गीत होता है, वहां भी सीक्वेंस का पालन करना होगा। 9 जुलाई को सभी राज्यों और मंत्रालयों को पत्र भेजा गया, जिसकी जानकारी शुक्रवार को सामने आई है।

सभी राज्यों से कहा गया है कि राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत हमेशा उनके असली शब्दों, सही उच्चारण और तय नियमों के अनुसार ही गाया और बजाया जाए। इसके लिए दोनों की ऑफिशियल कॉपी मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

28 जनवरी को पहली बार आदेश आया

इससे पहले 28 जनवरी को भी सरकार ने सभी राज्यों को यही आदेश दिया था। इसमें मुताबिक सभी स्कूलों में दिन की शुरूआत में राष्ट्रगीत बजाया जाएगा। वंदे मातरम् के समय हर व्यक्ति को खड़ा होना होगा। राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे। इनकी कुल अवधि 3.10 मिनिट है। पहले दो अंतरे गाए जाते थे। सिनेमा हॉल को नए नियमों से दूर रखा गया है। यानी सिनेमाघरों में फिल्म शुरू होने से पहले वंदे मातरम बजाना और खड़ा रहना अनिवार्य नहीं होगा। अगर किसी न्यूजरील या डॉक्यूमेंट्री फिल्म के हिस्से के रूप में राष्ट्रगीत बजाया जाता है, तो दर्शकों को उस दौरान खड़ा होना जरूरी नहीं होगा।

बंकिम चंद्र ने 1875 में लिखा था, आनंदमठ में छपा था

भारत के राष्ट्रगीत वंदे मातरम को बंकिम चंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी पर लिखा था। यह 1882 में पहली बार उनकी पत्रिका बंगदर्शन में उनके उपन्यास आनंदमठ के हिस्से के रूप में छपा था। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर ने मंच पर वंदे मातरम गाया। यह पहला मौका था जब यह गीत सार्वजनिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर गाया गया। सभा में मौजूद हजारों लोगों की आंखें नम हो गई थीं। वंदे मातरम एक संस्कृत वाक्यांश है, जिसका मतलब है- हे मां, मैं तुम्हें नमन करता हूं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराने के लिए संघर्ष कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों का नारा बन गया था।

राम मंदिर में चढ़ावा गिनने वाले 20 कर्मचारियों ने दिया इस्तीफा, जांच के बीच बढ़ा काम का दबाव

एजेंसी, लखनऊ।

राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती करने वाले 20 कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, चढ़ावे में कथित गबन की जांच शुरू होने के बाद कार्य का दबाव बढ़ने और बदली कार्यप्रणाली के चलते कर्मचारियों ने यह फैसला लिया। इस्तीफों के बाद अब गिनती केंद्र में केवल करीब एक दर्जन कर्मचारी ही नियमित रूप से काम कर रहे हैं। ट्रस्ट सूत्रों के मुताबिक, गबन का मामला सामने आने के बाद ही कर्मचारियों की उपस्थिति कम होने लगी थी। पहले जहां करीब 40 कर्मचारी इस कार्य में लगे थे, वहीं जांच के बाद केवल 15 से 20 कर्मचारी ही नियमित रूप से ड्यूटी पर आ रहे थे। अब इनमें से करीब 20 कर्मचारियों ने भी इस्तीफा दे दिया है। कर्मचारियों का कहना है कि पहले चढ़ावे की गिनती दो शिफ्टों में होती थी, लेकिन अब यह प्रक्रिया एक ही शिफ्ट में करीब नौ से दस घंटे तक चलती है। इसके बावजूद मानदेय में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। उन्होंने यह भी बताया कि पहले टेबल-कुर्सियों पर बैठकर गिनती होती थी, जबकि अब फर्श पर बैठकर काम कराया जा रहा है।

नगर निगम ने 40 जर्जर भवनों, नालों पर बने निर्माणों को जारी किए नोटिस

लोहामंडी, छत्ता, हरीपर्वत और ताजगंज जोन में अभियान तेज, खतरनाक भवनों को लेकर बढ़ी सख्ती

टीएनएफ टुडे, आगरा।

बरसात के मौसम में जर्जर भवनों और नालों के ऊपर बने अवैध निमार्णों से संभावित हादसों की आशंका को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने शहरभर में व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है। नगर निगम के निर्माण विभाग ने शुक्रवार को शहर के विभिन्न जोनों में स्थित 40 भवन स्वामियों एवं अध्यासियों को नोटिस जारी किए हैं। नोटिस प्राप्त करने वालों में जर्जर भवनों के स्वामी, क्षतिग्रस्त भवनों के अध्यासी तथा नालों के ऊपर अवैध रूप से निर्मित दुकानों और निमार्णों के संचालक शामिल हैं।

अपर नगर आयुक्त शिशिर कुमार ने बताया कि वर्षा ऋतु के दौरान भवन गिरने और जल निकासी बाधित होने जैसी घटनाओं की आशंका को देखते हुए नगर निगम द्वारा विशेष सर्वे अभियान चलाया गया। सर्वे में चिन्हित भवनों एवं अवैध निमार्णों के स्वामियों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक मरम्मत, खतरनाक हिस्सों को हटाने तथा नालों पर किए गए अतिक्रमण को समाप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि निर्धारित समयावधि में कार्रवाई नहीं करने वाले भवन स्वामियों एवं अध्यासियों के खिलाफ नगर निगम अधिनियम के अंतर्गत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर नगर निगम स्वयं कार्रवाई कर इसकी लागत संबंधित पक्षों से वसूलेगा।

छत्ता जोन में सबसे बड़ी कार्रवाई, नाले के ऊपर बनी 28 दुकानों को नोटिस

छत्ता जोन में सबसे अधिक 28 नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें हींग की मंडी क्षेत्र में नाले के ऊपर अवैध रूप से संचालित दुकानें और प्रतिष्ठान शामिल हैं। नगर निगम के अनुसार इन निर्माणों के कारण न केवल जल निकासी प्रभावित हो रही है, बल्कि बरसात के दौरान किसी बड़े हादसे की आशंका भी बनी रहती है। नोटिस प्राप्त करने वालों में जगदीश डेयरी, प्रिंस ट्रेडर्स, मौ. कदीर, महेश, मोनू डिब्बे वाले, पूजा डेयरी एंड डेली नीड्स, एसपी ट्रेडर्स, जैन फुटवियर, जैन मोबाइल रिपेयरिंग, शिवाज शू मटेरियल एवं शिवम इंटरप्राइजेज, नाला सेल्स कंपनी, इन्फ्रा टूर एंड ट्रैवल्स, एस.आर. कॉम्प्लेक्स, सनराइज फुटवियर, एएफ फुटवियर, ओम ट्रेडर्स, यूके फुटवियर, सुरेश चौधरी, सुरेश यादव मार्केट, हीरा शू, बीके शीट, 786 इंटरप्राइजेज, शुभम पेपर एजेंट, महाजन शू कंपनी, डिजायर फुटवियर, एचएम प्लाजा, शू हब मनी तथा आरएसएमके फुटवियर समेत अन्य प्रतिष्ठान शामिल हैं।

ताजगंज जोन में सात भवनों को नोटिस

ताजगंज जोन में सात भवनों और परिसरों को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें सौहल्ला क्षेत्र के बंटी और नीरज, बूंदकटरा क्षेत्र निवासी अनीता गुलाटी, हज्जूपुरा क्षेत्र के रमाशंकर, श्यामलाल मार्ग स्थित भूपाल सिंह राठौर एवं अन्य, ताजगंज स्थित जवाहर बिल्डिंग के राकेश कुमार तथा फतेहाबाद रोड स्थित अब्बास नगर क्षेत्र में स्थित भवन स्वामी शामिल हैं। अपर नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम की टीमें लगातार ऐसे भवनों और अवैध निर्माणों की निगरानी कर रही हैं। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि यदि उनके आसपास कोई भवन जर्जर स्थिति में है या किसी नाले पर अवैध निर्माण किया गया है तो इसकी सूचना तत्काल नगर निगम को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर जनहानि को रोका जा सके।

> बरसात के मौसम में नागरिकों की सुरक्षा नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जर्जर भवनों और नालों पर किए गए अतिक्रमण के कारण किसी भी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित भवन स्वामियों और अध्यासियों से स्वयं आगे आकर आवश्यक मरम्मत कराने तथा अवैध निर्माण हटाने की अपील की है।
>
> **-संतोष कुमार वैश्य**
> **नगर आयुक्त**

हरीपर्वत जोन में दो भवनों पर कार्रवाई

हरीपर्वत जोन में दो भवनों को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें घटिया आजम खां क्षेत्र स्थित मुरारीलाल तथा ताज प्रेस क्लब के निकट स्थित पिंकी के भवन शामिल हैं। निगम प्रशासन ने दोनों भवनों के स्वामियों को बरसात के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए आवश्यक मरम्मत कराने को कहा है।

लोहमंडी जोन में तीन भवन चिन्हित

लोहमंडी जोन में तीन जर्जर भवनों को नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी स्थित रेखारानी पत्नी मूलचंद, नॉर्थ ईदगाह कॉलोनी निवासी धीरज वर्मा तथा प्रताप नगर चौराहा, जयपुर हाउस क्षेत्र स्थित शकुंतला देवी के भवन शामिल हैं। नगर निगम ने इन भवनों के खतरनाक हिस्सों को तत्काल सुरक्षित कराने के निर्देश दिए हैं।

हे राम...अंतिम यात्रा पर भी जाना दूभर

शमशाबाद के गांव चितौरा में श्मशान बदहाल

■ रात में जले शव को सुबह फिर जलाना पड़ा

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ग्राम पंचायत चितौरा का श्मशान घाट आज बदहाली की मिसाल बन गया है। जहां इंसान अपनी अंतिम यात्रा पर आता है, वहां न छांव है, न पक्की जमीन और न पानी निकासी। बारिश में तो हालात इतने खराब हो जाते हैं कि परिजनों को अपने मृतक को दो-दो बार अग्नि देनी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने बताया कि कल एक मासूम बच्चे के अंतिम संस्कार के समय तेज बारिश हो रही थी। पूरे श्मशान परिसर में पानी भरा था और जमीन कीचड़ से लथपथ थी। न कोई टीन शेड था, न बैठने की व्यवस्था और न ही पक्का प्लेटफॉर्म। इसी वजह से शोकाकुल परिवार को दुख के साथ-साथ भारी परेशानी झेलनी पड़ी। गांव के लोगों का दर्द सबसे ज्यादा इसी बात पर फूटा। ग्रामीणों ने कहा कि ₹अगर शमशान में छाँव और जमीन ठीक होती तो हमें रात को जलाया हुआ मृत व्यक्ति दुबारा से सुबह नहीं जलाना पड़ता₹। कीचड़ और पानी के कारण अधजला शव रह जाता है, जिसे अगली सुबह फिर से जलाना पड़ता है। गांव के लोगों ने सरकार से गुहार लगाई है श्मशान के लिए अच्छी सी जमीन दी जाए₹। उनका कहना है कि जिंदा रहते तो तकलीफें झेलीं, अब मरने के बाद भी सम्मान नहीं मिल रहा।

ग्रामीण बोले– राजनीति नहीं, काम हो

इस मुद्दे पर गांव के सनी राघव, दीपू राघव, नीरज धाकरे, विजय पाल सिंह, सौरभ धाकरे, राहुल, लोकेन्द्र, सुरेश सहित तमाम ग्रामीणों ने एकजुट होकर प्रशासन से मांग की है। कहा कि पक्का चबूतरा बनाया जाए। बारिश से बचाव के लिए शेड की व्यवस्था हो। पानी निकासी के लिए उचित ड्रेनेज हो। बैठने और अंतिम संस्कार की मूलभूत सुविधाएं दी जाएं।

गुमशुदा का शव पोखर में मिला

टीएनएफ टुडे, खेरागढ़।

खेरागढ़ कस्बे की फुलईया पोखर में शुक्रवार को मिले अज्ञात शव की पहचान समाधि रोड निवासी मोहम्मद उमर (30) पुत्र मुन्ना खां के रूप में हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह फुलईया पोखर में एक युवक का शव मिलने की सूचना पर थाना खेरागढ़ पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पोखर से बाहर निकलवाया। बाद में परिजनों ने शव की पहचान मोहम्मद उमर के रूप में की। उनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटियां–सोफिया (7 वर्ष), मौसिफा (6 वर्ष) और लाइवा (ढाई वर्ष) हैं। थाना प्रभारी खेरागढ़ हरीश कुमार ने बताया कि शव की पहचान मोहम्मद उमर पुत्र मुन्ना खां निवासी समाधि रोड, खेरागढ़ के रूप में हुई है।

मुख्य मार्ग पर जलभराव से ग्रामीण परेशान

फतेहपुर सीकरी। ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत गांव नगला बले में मुख्य मार्ग पर जलभराव होने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर लंबे समय से पानी भरा होने के कारण स्कूल आने-जाने वाले बच्चों सहित अन्य राहगीरों को परेशानी हो रही है। ग्रामीणों के अनुसार जलभराव के चलते रास्ते से आवागमन प्रभावित हो रहा है। साथ ही रुके हुए पानी से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने की आशंका भी बनी हुई है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा उत्पन्न होने की चिंता जताई जा रही है। ग्रामीणों ने संबंधित प्रशासन से समस्या का शीघ्र समाधान कराने और जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके। इस दौरान मौके पर प्रमुख रूप से ग्रामीण कृष्णा नेता, ज्वाला, मुकेश, दिगंबर, राम भरोसी, मोहन सिंह, दीपू सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जलभराव से स्कूल में पढ़ाई ठप

दो दिन से स्कूल नहीं पहुंच पा रहे बच्चे

फतेहाबाद। तहसील क्षेत्र के गांव भोलपुरा स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यालय परिसर और मुख्य पहुंच मार्ग पर पिछले दो दिनों से जलभराव होने के कारण शिक्षण कार्य ठप हो गया है। पानी भर जाने से छात्र-छात्राएं स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं और अभिभावक भी बच्चों को भेजने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार विद्यालय के समीप स्थित छोटा तालाब हल्की बारिश में ही ओवरफ्लो हो जाता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से तालाब का दूषित पानी सीधे विद्यालय परिसर और रास्ते में भर जाता है। इससे स्कूल परिसर जलमग्न हो गया है। जलभराव के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने और सांप-बिच्छू जैसे जीव-जंतुओं का खतरा भी बढ़ गया है।

जमीन के लिए भाईयों में मारपीट

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद

फतेहाबाद। तहसील फतेहाबाद में रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर शुक्रवार को ससुराल की करोड़ों की जमीन बेचने को लेकर दो भाइयों में मारपीट हो गई, हंगामा की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से चार लोगों को गिरफ्तार कर शांतिभंग में चालान किया गया।

जिला फिरोजाबाद के थाना टूंडला क्षेत्र के गांव नगला केशो निवासी लाखन सिंह ने बताया कि थाना डौकी क्षेत्र नगला कांस में उसकी व उसके छोटे भाई खेतपाल की एक ही घर में ससुराल है। सास राधा देवी के पास कोई पुत्र नहीं था। इसलिए मैंने उनका इलाज व छोटी सालियों की शादियों में खर्चा किया था। सास ने अपनी मर्जी से 6 बीघा जमीन मेरे नाम कर दी थी। तथा शेष चार बीघा तीनों के नाम की। वहीं 2020 में सास ने मौत हो गई थी। अपने नाम हुई जमीन को शुक्रवार को तहसील फतेहाबाद में रजिस्ट्री करने आया था तभी छोटे भाई खेतपाल अपने पुत्रों के साथ मौके पर पहुंचा और जमीन में अपना हिस्सा मांगने की बात करते हुए गाली-गलौज करने लगा जब विरोध किया तो दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गया। जिससे तहसील में आधा घंटे तक रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर हंगामा हो गया,जिससे तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी पर फतेहाबाद पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने मौके से खेतपाल पुत्र लीलाधर, जोगिंद्र, धनपान पुत्र खेतपाल व वीरेंद्र पुत्र धीमान को गिरफ्तार कर थाने ले गई। पुलिस ने चारों के खिलाफ शांति शभंग में चालान कर दिया गया है। प्रभारी निरीक्षक फतेहाबाद विनोद कुमार मिश्र से बात करने पर बताया कि एक भाई जमीन बेच रहा था दूसरा भाई भी जमीन में अपना हिस्सा बता रहा था इसको लेकर विवाद हुआ है। मौके से चार लोगों को

छात्र-छात्राओं ने किया पौधारोपण

फतेहपुर सीकरी। ब्लॉक फतेहपुर सीकरी के उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला बले (कंपोजिट 1 - 8) में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रभारी प्रधानाध्यापक (ब्लॉक स्काउट मास्टर) कमल सिंह ने विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण के लिए गड्ढे खुदवाये तत्पश्चात पौधारोपण किया गया। लगाए गए पौधों में मुख्यतः जामुन तथा करौंदा के पेड़ थे। पौधारोपण में विद्यालय के बच्चों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक सहयोग किया। प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा उपस्थित सभी को बताया गया कि पेड़ लगाना हमारे पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। इनसे हमें जीवनदायी ऑक्सीजन मिलती है, हवा शुद्ध होती है, और तापमान नियंत्रित रहता है। पेड़ मिट्टी का कटाव रोकते हैं, भू-जल स्तर बढ़ाते हैं, और कई जीवों व पक्षियों को आश्रय प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में दिलीप कुमार श्रीवास्तव, ज्योत्सना सिंह पुंडीर, रोहित सिंह, भूपेंद्र कुमार, मुरारी लाल, शकुंतला देवी, अंगूरी देवी, कमला देवी उपस्थित रहे।

व्यक्तिगत जिम्मेदारी से बचेगा पर्यावरण: संजय सिंह

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा पर पौधरोपण

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने को लेकर से चलाए जा रहे वृक्षारोपण महाअभियान 2026 के तहत शुक्रवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया गया। किलोमीटर 21 स्थित फतेहाबाद टोल प्लाजा पर आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व यूपीडा के वित्त नियंत्रक संजय सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए वित्त नियंत्रक संजय सिंह ने पर्यावरण के निरंतर गिरते संतुलन पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति का श्रृंगार नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन का आधार हैं। पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित रखना किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी से रोपे गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया। इस दौरान टोल प्लाजा परिसर में आयोजित वृक्षारोपण महायज्ञ में यूपीडा के वरिष्ठ अधिकारियों से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। अधिकारियों ने विधि-विधान से पौधों का रोपण कर एक्सप्रेसवे को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान मुख्य रूप से यूपीडा के अधिशासी अभियंता एसपी सिंह, एसएसडी के जनरल मैनेजर संजय सिक्का, विपिन कोचर, हरिशंकर सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमोद धनगर, आर.ई. एस.के.चौधरी, यूपीडा के प्रथम सुरक्षा अधिकारी राधामोहन द्विवेदी, सोबरन सिंह और सेफ्टी मैनेजर अखिलेश मौजूद रहे। साथ ही आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की सुरक्षा टीम और टोल प्रबंधन के समस्त कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से पौधरोपण अभियान में भाग लिया।

धीमे रेस्क्यू ऑपरेशन से लोधी समाज में आक्रोश

पीड़ित परिवार के लिए 25 लाख मुआवजे की मांग

आगरा। 8 जुलाई को महावीर नाला में गंगा देवी पत्नी केरन सिंह निवासी नगला तेजा आगरा के लापता होने के संबद्ध में जिलाधिकारी आगरा से लोधी समाज का प्रतिनिधिमंडल मिला। डॉ सुनील राजपूत ने जिलाधिकारी से कहा कि तीन दिन बीत जाने के बाद भी गंगा देवी का अभी कोई पता नहीं चल पाया है। जिससे लोधी समाज में आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने जिलाधिकारी से रेस्कू अभियान को तेज करने के साथ पीड़ित परिवार को 25 लाख की आर्थिक सहायता देने की माँग की। लोधी युवा महासभा के का. प्रदेश अध्यक्ष हरिओम लोधी ने प्रशासन से माँग की कि उक्त घटना के लिए जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाए। बदन सिंह ठेकेदार ने कहा कि इस दुख की घड़ी में आगरा लोधी समाज पीड़ित परिवार के साथ है। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय सचिव पीतम सिंह लोधी, बदन सिंह ठेकेदार, दीपक लोधी पार्षद, डॉ एके सिंह, मिथुन लोधी, मनीष लोधी, प्रेम सिंह लोधी, रवि लोधी, भूप सिंह लोधी, मूलचंद लोधी, राजेंद्र लोधी आदि प्रमुखता से उपस्थित रहे।

चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

थाना ट्रांस यमुना के थाना अध्यक्ष हरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ब्ंद मकान में हुई चोरी की वारदात का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का सामान, नकदी तथा घटना में प्रयुक्त ऑटो बरामद किया है। वहीं, वारदात में शामिल दो अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार, श्याम विहार कॉलोनी, नरायच निवासी एक व्यक्ति परिवार सहित रिश्तेदारी में गया हुआ था। इसी दौरान 2/3 जुलाई की रात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर घर में रखी पीली धातु, कृत्रिम आभूषण बनाने का सामान तथा अन्य कीमती वस्तुएं चोरी कर लीं। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर थाना अध्यक्ष हरेंद्र कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने झरना नाला के पास से राकेश कुमार और कुलदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में दोनों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 20 जोड़ी सफेद धातु की पायल, एक पैकेट पीली धातु, 1,010 रुपये नकद तथा घटना में प्रयुक्त ऑटो बरामद किया। थाना अध्यक्ष हरेंद्र कुमार ने बताया कि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है। जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर पूरे गिरोह के खिलाफ प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दुकान से 1755 किलो संदिग्ध दाल बरामद

खेसारी दाल कांड में बड़ी कार्यवाही, मचा हड़कंप

टीएनएफ टुडे, कागारौल।

प्रतिबंधित खेसारी दाल के कथित भंडारण और बिक्री के मामले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए नगला घुरैला स्थित दूसरी दुकान का ताला तुड़वाकर जांच की। कार्रवाई के दौरान दुकान के अंदर रखे 59 कट्टों में भरी 1755 किलोग्राम संदिग्ध खेसारी दाल बरामद हुई। टीम ने दाल के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए हैं तथा पूरे स्टॉक को दुकान मालिक के कब्जे में दे दीया गया है।

इससे पूर्व करीब एक माह पहले इसी गांव की एक दुकान से 2760 किलोग्राम संदिग्ध खेसारी दाल बरामद की गई थी। लगातार दूसरे दिन हुई कार्रवाई के बाद अब तक कुल 4515 किलोग्राम संदिग्ध दाल बरामद हो चुकी है, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रथम दृष्टया दाल के प्रतिबंधित खेसारी दाल होना बताया है। प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद संबंधित कारोबारियों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि प्रतिबंधित दाल की आपूर्ति कहां से हुई और इसे किन-किन बाजारों में बेचा गया।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मिलावटी एवं प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान नायब तहसीलदार हरिशंकर दुबे, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राकेश कुमार यादव सहित पुलिस मौजूद

शिक्षकों को मिलेगा सैलरी पैकेज अकाउंट का लाभ

आगरा। भारतीय स्टेट बैंक एवं बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के मध्य हुए सरकारी वेतन पैकेज एमओयू के अंतर्गत शिक्षकों को विशेष बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। इसी क्रम में एसबीआई कलेक्ट्रेट शाखा, आगरा के शाखा प्रबंधक अंकुर अग्रवाल एवं फील्ड ऑफिसर प्रकाश कुमार वर्मा ने यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा), आगरा के पदाधिकारियों से भेंट कर योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों के बचत खातों को सरल प्रक्रिया के माध्यम से सैलरी पैकेज अकाउंट में परिवर्तित किया जाएगा, जिससे उन्हें एसबीआई की विशेष बैंकिंग, ऋण एवं बीमा संबंधी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। बैंक अधिकारियों ने बताया कि शिक्षकों की सुविधा के लिए जनपद के प्रत्येक विकासखंड में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे, जहां बिना किसी अनावश्यक परेशानी के खातों का रूपांतरण किया जाएगा, जिससे बार–बार बैंक आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

होटल मौर्या में सामान को चोरी

फतेहपुर सीकरी। थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाइवे आगरा जयपुर पर ग्राम पंचायत मंडी गुड़ के सामने बनी बंद पड़ी होटल मौर्या में मरम्मत व फिटिंग का कार्य चल रहा है। इसके लिए कमरे में बिजली फिटिंग के लिए रखे हजारों रुपए कीमत के समान को जंगला तोड़कर अज्ञात चोर चुरा ले गए। पीड़ित ने थाना सीकरी में तहरीर देकर पुलिस से जांच की बाद करवाई की मांग की है। कस्बा के गली जेरे हम्माम निवासी हरेश कुमार पुत्र राजकुमारी ने थाना फतेहपुर सीकरी में प्रार्थनापत्र देते हुए बताया कि होटल मौर्या में मरम्मत व फिटिंग का कार्य चल रहा है। इसके लिए 6 बंडल तारों के, 6 सीलिंग फैन, बल्ब, होल्डर समेत अन्य सामान चोर ले गए।

बगीचे में सांप ने किशोर को डंसा

फतेहाबाद। गुरुवार की शाम बगीचे में टहलने गए किशोर को सर्प ने डंस लिया। अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत बिगड़ने पर आगरा रैफर किया गया। शाहरुख पुत्र जमील निवासी गढ़ी उदयराज थाना फतेहाबाद गुरुवार रात्रि 10:00 बजे के करीब खाना खाकर बगीचे में टहलने गया था। तभी वह सर्प ने काट लिया। जानकारी होने पर शाहरुख ने परिजनों को जानकारी दी। परिजनों उसे रात 11:00 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहाबाद ले गए। जहां जांच कर चिकित्सकों के द्वारा एंटी वेनम इंजेक्शन लगाए गए। वहीं सुबह पेट में दर्द होने की शिकायत पर उसे आगरा रैफर किया गया।

जमीन के लिए पिता-पुत्र में मारपीट, चार घायल

फतेहाबाद। जमीन को लेकर थाना फतेहाबाद के गांव नगला मावई में गुरुवार की शाम पिता-पुत्र में मारपीट हो गई, इस दौरान 4 घायल हो गए। मिहीलाल पुत्र कृष्णपाल निवासी नगला मावई व उसके पुत्र मूलचंद के मध्य जमीन को लेकर विवाद हो रहा था तभी छोटे पुत्र की पत्नी सीमा बीच बचाव करने आई तो गीता व ईश्वरी देवी पत्नी मूलचंद के द्वारा गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया जिसमें मिहीलाल, सीमा, गीता, ईश्वरी देवी घायल हो गए। जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और चारों घायलों को अस्पताल भेजा गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रोजगार मेला 14 जुलाई को

मेला में 1500 से अधिक अभ्यर्थियों को मिलेगा रोजगार

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सहायक निदेशक (सेवायोजन) चंद्रचूड़ दुबे ने अवगत कराया है कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, आगरा एवं राजकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वावधान में 14 जुलाई, 2026 को प्रातः 10:00 बजे से राजकीय आईटीआई परिसर, फतेहाबाद रोड, सिकंदरा, आगरा में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां, जिनमें एलएंडटी, एलआईसी, रिलायंस, हिताची, टाटा, हीरो, पीएनबी मेटलाइफ इंश्योरेंस, होंडा, ईकार्ट, होली हर्ब्स, इंफो एज, रिलैक्सो फुटवियर, वरुण बेवरेजेज, संकल्प माइक्रोफाइनेंस, डिक्सन, स्टर्लिंग टेक्नोलॉजी सहित अन्य कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। इन कंपनियों द्वारा विभिन्न पदों पर लगभग 1500 से अधिक रिक्तियों के लिए चयन प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। रोजगार मेले में हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटेक सहित अन्य शैक्षिक योग्यताओं वाले अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है। सहायक निदेशक (सेवायोजन) ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी पर ऑनलाइन पंजीकरण कर रोजगार मेले में सम्मिलित हो सकते हैं। उन्होंने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे रोजगार मेले में अपने समस्त शैक्षिक प्रमाण-पत्रों, बायोडाटा एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय से उपस्थित होकर रोजगार के अवसर का लाभ उठाएं। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं होगा।

ग्रुप कमांडर ने किया कैंप का निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

वन यूपी बटालियन, एनसीसी, आगरा द्वारा संचालित सीएटीसी-06 कैंप में शुक्रवार को ग्रुप कमांडर ने निरीक्षण किया। कैंप श्रीराम आदर्श महाविद्यालय पनवारी में चल रहा है। इसमें ग्रुप के कमांडर ब्रिगेडियर सुरेंद्र पाल यादव, युद्ध सेवा मेडल ने कैंप का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओ का अवलोकन किया व सराहना की। कैडिटों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कड़े अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। एनसीसी का उद्देश्य ही कैडिटों का सर्वांगीण विकास करना है। एनसीसी युवाओं में एकता,अनुशासन के साथ-साथ देश के प्रति समर्पण के भाव का प्रसार करती है। ब्रिगेडियर यादव ने सभी कैडिटों से मिलजुल कर रहने और परस्पर एक दूसरे से सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि आगरा ग्रुप के लिए गर्व की बात है कि वर्तमान में इस ग्रुप के 12 एनसीसी कैडेट सेना में अफसर के पद पर तैनात हैं। ग्रुप कमांडर के आगमन पर एनसीसी कैडेट्स ने उनका स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर देकर किया जिसका नेतृत्व सीनियर अंडर ऑफिसर समायरा सिंह ने किया था इसके अलावा सीनियर अंडर ऑफिसर रोहित, सार्जेंट प्रियंका वर्मा, सार्जेंट मानसी शर्मा, सीपीएल सक्षम, सीपीएल रेहान खान, सार्जेंट जाह्नवी बरमानी, सार्जेंट अर्नव शर्मा और सार्जेंट संजना कुमारी ने गार्ड ऑफ ऑनर में अपनी प्रतिभागिता दी। जिसका प्रशिक्षण नायक अभिषेक सिंह ने दिया। ग्रुप कमांडर की पायलटिंग सीपीएल काजल और सीपीएल प्रियंका कुमारी ने की कैंप के सीनियर प्रतीक दुरंग भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सार्जेंट जाह्नवी बरमानी ने किया। कार्यक्रम का समापन एनसीसी सॉन्ग के साथ हुआ कैंप कमांडेंट कर्नल दीपक जुयाल, डिप्टी कैंप कमांडेंट मेजर शंभू पांडे, कैम्प एडजुटेंट कैप्टेन मनीष कुमार, कैंप क्वार्टर मास्टर फर्स्ट अफसर विकास मिश्रा, कैंप पीआरओ फर्स्ट अफसर ज्ञानेंद्र तिवारी, कैंप कल्चरल कोऑर्डिनेटर एस ओ रजनी और कैंप मैसिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट वरुण कुमार उपस्थित रहे। व्यवस्थाओ में सूबेदार मेजर निर्मल सिंह, कैंप जेसीओ बृजपाल सिंह,एम टी जेसीओ राजेंद्र लाल शाह,ट्रेनिंग जेसीओ एच आर यादव, जेक्यूएम श्याम बुद्धाथोकि उपस्थित रहे।

हरिनाम संकीर्तन करते हुए निकाली रथयात्रा की आमंत्रण यात्रा

करकुंज चौराहे से प्रारम्भ होकर कारगिल पैट्रोल पम्प होते हुए पश्चिमपुरी चौराहे तक किया आमंत्रण यात्रा ने भ्रमण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

मृदंग और मंजीरों संग कीर्तन पर झूमते भक्तजन। सिर पर विराजमान श्रीजगन्नाथजी, बहन सुभद्रा और भाई बलराम के विग्रह स्वरूप। श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के लिए भक्तों के बुलावे का आमंत्रण इस्कॉन मंदिर द्वारा श्रद्धालुओं के पास श्रद्धा-भाव से पहुंचाया। मृदंग और मंजीरे पर हरे राम हरे रामा, कृष्णा कृष्णा हरे हरे... का कीर्तन करते हुए करकुंज चौराहे से आमंत्रण यात्रा का भक्ति भाव के साथ आयोजन किया गया। श्रीहरि की भक्ति में झूमते नाचते श्रद्धालुओ ने आज 16 जुलाई को स्कॉन द्वारा बल्केश्वर महादेव मंदिर से आयोजित की जा रही श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के लिए निमंत्रण दिया। श्रद्धा, उत्साह और भक्ति से ओतप्रोत इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। आमंत्रण यात्रा का शुभारंभ करकुंज चौराहे से हुआ, जिसने कारगिल पैट्रोल पम्प होते पश्चिमपुरी चौराहे तक भ्रमण किया। ढोलक, मृदंग और मंजीरों की मधुर धुनों के साथ श्रद्धालु ₹हरे राम, हरे कृष्ण₹ के संकीर्तन का गायन करते हुए आगे बढ़े। भजन-कीर्तन की स्वर लहरियों और भक्तों के उत्साहपूर्ण नृत्य से वातावरण पूरी तरह भक्तिरस में डूब गया। यात्रा में शामिल श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण किए हुए थे। भक्तों ने अपने सिर पर भगवान श्रीजगन्नाथ जी के विग्रह को श्रद्धापूर्वक विराजमान किया हुआ था। श्रद्धालुओं के हाथों में भगवा ध्वज लहरा रहे थे, जो सनातन संस्कृति और धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर पूरे मार्ग में आकर्षण का केंद्र रहे। जयघोष और हरिनाम संकीर्तन से मार्ग पर उपस्थित लोगों में भी उत्साह का संचार होता रहा। विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। जगह-जगह लोगों ने यात्रा में शामिल भक्तों पर फूल बरसाकर भगवान श्रीजगन्नाथ जी की रथयात्रा के प्रति अपनी श्रद्धा और उत्साह का परिचय दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से हिमांशु गुप्ता, केएन सिंघल, शैलेन्द्र अग्रवाल, नितेश अग्रवाल, विकास बंसल (लड्डू भाई) आदि उपस्थित थे।

11 जुलाई को पीपल वाले गेट से प्रारम्भ होती आमंत्रण यात्रा

आगरा। इस्कॉन मंदिर आगरा के अध्यक्ष अरविन्द प्रभु ने बताया कि 11 जुलाई को आमंत्रण यात्रा शाम 5 बजे पीपल वाले गेट से प्रारम्भ होकर, सिंधी बाजार, रावतपाड़ा, दरेसी, मोतीगंज से बेलनगंज चैरेह तक जाएगी। पुराने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में हरिनाम संकीर्तन के साथ शहरवासियों को श्रीजगन्नाथ रथयात्रा के लिए निमंत्रण दिया जाएगा।

जिले में भर्ती अभियान 13 से

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद के शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रक्र लिमिटेड द्वारा सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाइजर तथा उक्ळ (कस्टोडियन)/रछश पदों पर सीधी भर्ती का आयोजन किया जा रहा है। यह भर्ती अभियान 13 जुलाई से 6 अगस्त तक जनपद के विभिन्न विकास खंड परिसरों में आयोजित होगा। भर्ती प्रक्रिया प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक संचालित की जाएगी। भर्ती कार्यक्रम के अनुसार 13 एवं 14 जुलाई को खेरागढ़ एवं अछनेरा ब्लॉक, 15 एवं 16 जुलाई को सैया एवं अकोला ब्लॉक, 17 एवं 18 जुलाई को शमशाबाद एवं फतेहपुर सीकरी ब्लॉक, 20 एवं 21 जुलाई को फतेहाबाद एवं बिचपुरी ब्लॉक, 22 एवं 23 जुलाई को पिनाहट एवं बरौली अहीर ब्लॉक, 24 एवं 25 जुलाई को बाह एवं खंदौली ब्लॉक, 3 एवं 4 अगस्त को जैतपुर कला एवं एत्मादपुर ब्लॉक तथा 5 एवं 6 अगस्त को जगनेर ब्लॉक परिसर में भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। भर्ती अभियान के अंतर्गत सुरक्षा जवान के 1000, सुरक्षा सुपरवाइजर के 100 तथा उक्ळ (कस्टोडियन)/रछश के 200 पदों पर चयन किया जाएगा। सुरक्षा जवान पद हेतु अभ्यर्थी का 10वीं उत्तीर्ण अथवा अनुत्तीर्ण होना, आयु 19 से 40 वर्ष तथा न्यूनतम लंबाई 167.5 सेंटीमीटर निर्धारित है। सुरक्षा सुपरवाइजर पद के लिए 12वीं उत्तीर्ण, आयु 21 से 37 वर्ष तथा न्यूनतम लंबाई 170 सेंटीमीटर निर्धारित की गई है। उक्ळ (कस्टोडियन)/रछश पद हेतु 10वीं अथवा 12वीं उत्तीर्ण, आयु 19 से 40 वर्ष तथा न्यूनतम लंबाई 165 सेंटीमीटर निर्धारित है। चयनित अभ्यर्थियों को दिल्ली, दिल्ली-एनसीआर, गुरुग्राम, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, मानेसर, आगरा, मथुरा, कानपुर तथा लखनऊ सहित विभिन्न स्थानों पर नियुक्ति प्रदान की जाएगी। अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने आवश्यक शैक्षिक अभिलेखों एवं पहचान पत्र के साथ संबंधित विकास खंड परिसर में उपस्थित होकर भर्ती प्रक्रिया में भाग लेने का अनुरोध किया गया है।

जिले में रोपे जाएंगे 19 लाख पौधे

टीएनएफ टुडे, आगरा।

वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन के दृष्टिगत जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शुक्रवार को शास्त्रीपुरम डी-ब्लॉक स्थित प्रस्तावित पौधारोपण स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पौधारोपण हेतु गड्ढों की खुदाई कार्य में तेजी लाने, स्थल को विभिन्न थीम आधारित खंडों में विकसित करते हुए औषधीय एवं हर्बल पौधों, पोषण वाटिका तथा फलदार पौधों का रोपण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 12 जुलाई (रविवार) को शास्त्रीपुरम डी-ब्लॉक में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, कैबिनेट मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह सहित जनपद के जनप्रतिनिधिगण तथा शासन द्वारा नामित जनपद के नोडल अधिकारी प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम जी की गरिमामयी उपस्थिति में वृक्षारोपण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद में वन विभाग द्वारा लगभग 19 लाख पौधों सहित विभिन्न विभागों के माध्यम से कुल 53 लाख 94 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। अभियान के प्रभावी संचालन हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राजेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरित क्रांति की तैयारी तेज, डीएम ने शास्त्रीपुरम में कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

जनपद में आगामी 12 जुलाई को आयोजित होने वाले 'वृक्षारोपण महायज्ञ-2026' को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हो गई हैं। अभियान को सफल और सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मनीष बंसल ने शुक्रवार को शास्त्रीपुरम डी-ब्लॉक स्थित प्रस्तावित पौधारोपण स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पौधारोपण कार्यक्रम की सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पौधारोपण के लिए खोदे जा रहे गड्ढों के कार्य में तेजी लाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थल को विभिन्न थीम आधारित खंडों में विकसित किया जाए, जहां औषधीय और हर्बल पौधों के साथ-साथ पोषण वाटिका तथा फलदार वृक्षों का भी रोपण किया जाए। डीएम मनीष बंसल ने जिला पंचायत राज अधिकारी को कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने वाले मार्गों की समुचित साफ-सफाई कराने, आगंतुकों और जनप्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने, मंच निर्माण तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महायज्ञ केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का बड़ा अभियान है, जिसमें सभी विभागों को समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। जिलाधिकारी ने बताया कि रविवार, 12 जुलाई को शास्त्रीपुरम डी-ब्लॉक में मुख्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल, प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, महापौर हेमलता दिवाकर कुशवाह समेत जनपद के कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। इसके अलावा शासन की ओर से जनपद के नोडल अधिकारी और प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग डॉ. हरिओम भी कार्यक्रम में शामिल होकर पौधारोपण करेंगे। वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के तहत आगरा जनपद में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। वन विभाग की ओर से करीब 19 लाख पौधे लगाए जाएंगे, जबकि अन्य विभागों के सहयोग से कुल 53 लाख 94 हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित तहसीलों के उपजिलाधिकारियों और खंड विकास अधिकारियों को जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न विभाग प्रशासनिक समन्वय के साथ व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान को अंजाम देंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) आजाद भगत सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राजेश कुमार समेत कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला

नाज़िया इलाही के खिलाफ सीजेएम कोर्ट में परिवाद दाखिल

टीएनएफ टुडे, आगरा।

सोशल मीडिया पर मुस्लिम धर्मगुरुओं और इस्लाम धर्म के प्रति कथित रूप से आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणी करने के मामले में नाज़िया इलाही की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इस संबंध में शुक्रवार को आगरा की सीजेएम (सिविल जज जूनियर डिवीजन-2) अदालत में एक परिवाद दायर किया गया है। यह परिवाद 'सशक्त पीली सेना' की राष्ट्रीय अध्यक्ष शबाना खंडेलवाल की ओर से अधिवक्ता जाहिद नूरी के माध्यम से दाखिल किया गया है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि नाज़िया इलाही द्वारा की गई टिप्पणियों से न केवल धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं, बल्कि इससे समाज में सौहार्द बिगड़ने का भी खतरा उत्पन्न हुआ है। दायर परिवाद में भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 196, 299, 353(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। शबाना खंडेलवाल ने बताया कि इस मामले में 28 जून 2026 को पुलिस आयुक्त, डीसीपी सिटी और थाना न्यू आगरा को लिखित शिकायत भेजी गई थी। पुलिस प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई न किए जाने के कारण उन्हें न्याय के लिए अदालत की शरण लेनी पड़ी है। इस अवसर पर गुड्डू कुरैशी, शाहरुख खान, दानिश खान, सिनू खान, साजिद खान, सुलेमान अहमद, चौधरी बबुआ, मुख्तियार खान और हाजी आमीन सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने मामले की निष्पक्ष जांच और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की पुरजोर मांग की है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर विशेष

परिवार नियोजन को अंतरा पर बढ़ रहा विश्वास

- छोटा परिवार सुखी परिवार का सुरक्षित विकल्प है गर्भनिरोधक इंजेक्शन 'अंतरा'
- वित्तीय वर्ष 2024-25 में 20797 और वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगवाए 23323 अंतरा इंजेक्शन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

यूं तो परिवार नियोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न स्थाई व अस्थाई साधन उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें अंतरा इंजेक्शन को काफी पसंद किया जा रहा है। परिवार नियोजन अपनाने वाले दंपति त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन ह्यअंतराह्न इंजेक्शन को अपना कर खुशहाल दाम्पत्य जीवन जी रहे हैं। परिवार नियोजन के अस्थाई साधनों में त्रैमासिक इंजेक्शन अंतरा को लाभार्थियों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 20797 महिलाओं ने और वित्तीय वर्ष 2025-26 में 23323 महिलाओ ने अंतरा इंजेक्शन को अपनाया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि जनपद आगरा में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए अंतरा गर्भ निरोधक इंजेक्शन को महिलाओं ने विकल्प के तौर पर चुना है। अंतरा इंजेक्शन अनचाहे गर्भ को रोकने व दो बच्चों के बीच अंतर रखने का एक सुरक्षित अस्थायी गर्भनिरोधक विकल्प हैं। तीन माह के अंतराल में लगने वाला यह जिला महिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों व उप-केन्द्रों पर लगाया जाता है । नव विवाहित दंपति से अपील है कि वह शादी के दो साल बाद ही पहले बच्चे की योजना बनायें और दो बच्चों के जन्म में तीन वर्ष का अंतर रखें। परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रमोद यादव ने बताया कि परिवार नियोजन कार्यक्रम न केवल देश की तरक्की से जुड़ा है बल्कि मातृ शिशु स्वास्थ्य और पोषण से भी इसका गहरा सम्बन्ध है । यह दंपति के सुखमय जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण तत्व है । इसके लिए त्रैमासिक गर्भनिरोधक इंजेक्शन अंतरा भी एक बेहतर विकल्प है। अंतरा इंजेक्शन की पहली डोज चिकित्सक, स्टॉफ नर्स, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) या प्रशिक्षित एएनएम द्वारा लाभार्थी की स्क्रीनिंग के बाद ही लगाई जाती है।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के नोडल अधिकारी ने बताया कि जनपद में सबसे अधिक अंतरा इंजेक्शन बरौली अहीर ब्लॉक में लगवाए गए हैं। यहां पर 2371 महिलाओं ने अंतरा लगवाए हैं वहीं सैंया 1948 इंजेक्शन लगवाकर दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर बाह है, यहां पर 1624 अंतरा लगवाए गए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौली अहीर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित पांडे ने बताया कि लेडी हेल्थ विजिटर सुमन कुमारी देवी के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरौली अहीर की आशा कार्यकताओं ने परिवार नियोजन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया। उनके प्रयासों से केंद्र में सबसे अधिक महिलाओं ने अंतर इंजेक्शन अपनाया। ग्राम नगला सबल की आशा कार्यकर्ता श्यामवती ने बताया कि मैंने अपने कार्यक्षेत्र के लक्ष्य दंपति की सूची बनाकर उन्हें घर-घर जाकर परिवार नियोजन के साधन अपनाने के लिए जागरूक किया। साथ ही सामुदायिक बैठक के माध्यम से महिलाओं को परिवार नियोजन के लाभ और महत्व के बारे में जानकारी दी। बैठक में महिलाओं ने खुलकर बातचीत की और एक-दूसरे के अनुभवों को जाना। इससे महिलाएं जागृत हुईं और उन्होंने परिवार नियोजन को अपनाया। ग्राम नगला सबल निवासी 26 वर्षीय कल्पना ने बताया कि मेरे दो बच्चे हैं और मेरा परिवार पूरा हो चुका है। लेकिन अभी मेरा बच्चा छोटा है, इसलिए मैंने अभी महिला नसबंदी नहीं कराई है। परिवार नियोजन के लिए मैंने अस्थायी साधन 'अंतरा इंजेक्शन' को अपनाया है। मैंने अपने पति से सलाह की और आपसी सहमति से अंतरा इंजेक्शन लगवाने का निर्णय लिया। इसमें आशा कार्यकर्ता और डॉक्टर द्वारा हमें सही जानकारी देकर सहयोग किया गया। मैं अब तक छह डोज लगवा चुकी हूं और मुझे अभी तक कोई परेशानी नहीं हुई है।

11 से 18 जुलाई तक मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या दिवस अभियान

जनपद में 11 से 18 जुलाई तक विश्व जनसंख्या दिवस अभियान चलाया जाएगा। शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी इस अभियान का शुभारंभ करेंगे। इस बार इसका स्लोगन जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल रखा गया है। अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधिया आयोजित करके परिवार नियोजन के प्रति समुदाय में जागरुकता का प्रसार किया जाएगा। अपर शोध अधिकारी एस.पी सत्संगी ने बताया कि ₹परिवार नियोजन के साधन मुख्य रूप से दो तरह के होते हैं – स्थायी और अस्थायी। स्थायी साधनों में महिला नसबंदी और पुरुष नसबंदी शामिल हैं। वहीं अस्थायी साधनों में गर्भनिरोधक गोलियां जैसे छाया और माला-एन, अंतरा इंजेक्शन, कॉपर-टी, कंडोम और आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली शामिल हैं। अभियान के दौरान लोगों को इन साधनों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।₹

इंजेक्शन लगाने के बाद इन बातों को न करें नजरंदाज–

- जहाँ इंजेक्शन लगा हो उस जगह मालिश न करें
- इंजेक्शनकी जगह पर गर्म सिंकाई न करें
- इंजेक्शनलगने के बाद 5–10 मिनट के लिए अस्पताल में ही रुके
- अंतराकार्ड पर दी गयी तारीख पर ही इंजेक्शन लगवाएं

टीएनएफ टुडे मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के लिए **धीरज शर्मा** द्वारा श्रीराम मार्केट फूलपुर अड्डा, देवरी रोड, फतेहाबाद आगरा से प्रकाशित एवं मुद्रक पवन पाठक द्वारा इम्प्रैशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड गुरू का ताल सिकंदरा रोड आगरा से मुद्रित।
संपादक: धीरज शर्मा, फोनः 9412359817, E mail: tnftoday.com@gmail.com वेबसाइटः www.tnftoday.com
पंजीयन नं. UPHIN/25/A3702 (संपादक इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।)

सम्पादकीय

डूबती गाड़ियों को किनारा नहीं मिलता

डूबती गाड़ियों को क्या विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं? हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है?क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं? क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है? क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां? क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बबार्दी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला?क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है? देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है? और यदि इन सवालों का उत्तर आज भी हमारे पास नहीं है, तो फिर क्या हमें पहले विकसित भारत का सपना देखना चाहिए, या पहले उसकी मजबूत बुनियाद तैयार करनी चाहिए?

जिम्मेदारी न लेने का घातक रोग

भाजपा की केंद्र से लेकर राज्य सरकारों में जिम्मेदारी न लेने का एक घातक रोग बढ़ता जा रहा है, जिसमें बार-बार देश और जनता का नुकसान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 सालों के शासन में कई ऐसी बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें जनता के सामने प्राणों के संकट पड़ गए, लेकिन उन्होंने कभी जनता को यह आश्वासन नहीं दिया कि मैं जब तक सत्ता में हूं आप पर कोई मुसीबत नहीं आने दूंगा। उल्टा वे देशभक्ति के नाम पर जनता से ही त्याग और बलिदान की अपेक्षा करते रहे। नोटबंदी, लॉकडाउन, चीन की घुसपैठ, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमले, मणिपुर में जनजातीय संघर्ष, बारिश, सूखा आदि की आपदाएं, पेपर लीक न जाने कितने मामलों में जनता को जान-माल हर तरह का नुकसान हुआ। अभी राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के कारण भावनात्मक तौर पर भी जनता बुरी तरह आहत है। लेकिन प्रधानमंत्री ने कभी इन मामलों में आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं ली या किसी गलत फैसले के लिए माफी नहीं मांगी, इस्तीफा देना तो दूर की बात है। वहीं आम जनता में से कोई जब किसी मामले पर सरकार की आलोचना करे तो उसे कैसे कानूनी शिकंजे में जकड़ा जाता है, इसकी बड़ी मिसाल उमर खालिद की गिरफ्तारी है।

जो समझौते हुए हैं उससे रक्षा-सुरक्षा का पूरा परिदृश्य ही बदल जायेगा

> "प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने पर भी सहमति जताई। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों को दीर्घकालिक निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, आधारभूत ढांचा, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटल अर्थव्यवस्था, खाद्य प्रसंस्करण, विमानन और आधुनिक उद्योगों में व्यापक अवसरों का उल्लेख किया। दोनों देशों ने माना कि भारत की विशाल बाजार क्षमता और ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं।

अगर कोई कहे कि नदी किनारे बसा शहर प्यासा मर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज ने शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में द्विपक्षीय साझेदारी की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने संबंधी कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया। मोदी और अल्बनीज की बैठक के बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा पर भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त घोषणा, ऊर्जा संबंधों पर संयुक्त बयान और साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग के लिए एक खाका जारी किया। हम आपको बता दें कि असैन्य परमाणु ऊर्जा से जुड़े समझौते के जरिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की वाणिज्यिक आपूर्ति का रास्ता खुलेगा। इससे भारत की परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज ने व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने पर भी सहमति जताई। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई निवेशकों को दीर्घकालिक निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, आधारभूत ढांचा, खनन, महत्वपूर्ण खनिज, डिजिटल अर्थव्यवस्था, खाद्य प्रसंस्करण, विमानन और आधुनिक उद्योगों में व्यापक अवसरों का उल्लेख किया। दोनों देशों ने माना कि भारत की विशाल बाजार क्षमता और ऑस्ट्रेलिया की तकनीकी विशेषज्ञता मिलकर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नई संभावनाएं पैदा कर सकती हैं।

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए। बेंगलुरु में फ्लिंडर्स विश्वविद्यालय तथा गुरुग्राम में विक्टोरिया विश्वविद्यालय परिसर स्थापित करने की प्रक्रिया को स्वीकृति मिली। भुवनेश्वर में खनन और खनन उपकरण उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने का निर्णय भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करेगा। वैज्ञानिक अनुसंधान, पारंपरिक ज्ञान, फिल्म निर्माण, विश्वविद्यालय सहयोग तथा कौशल विकास से जुड़े अनेक समझौते दोनों देशों के बीच जन संपर्क को और मजबूत करेंगे। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। तमिलनाडु से संबंधित तीन प्राचीन भारतीय धरोहरों की स्वैच्छिक वापसी पर सहमति दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास और सांस्कृतिक सम्मान का प्रतीक है। भारतीय प्रवासी समुदाय को दोनों देशों के संबंधों का जीवंत सेतु बताते हुए दोनों प्रधानमंत्रियों ने लोगों के बीच बढ़ते संपर्क को साझेदारी की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

रणनीतिक दृष्टि से देखें तो यह पूरी यात्रा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है। इसका सीधा प्रभाव हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, समुद्री संतुलन, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, आतंकवाद विरोधी सहयोग, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय कूटनीति पर पड़ेगा। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार, आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, समुद्री कानूनों के सम्मान, मुक्त और नियम आधारित हिंद प्रशांत, आसियान की केंद्रीय भूमिका, हिंद महासागर क्षेत्रीय सहयोग तथा क्वॉड साझेदारी को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। स्पष्ट है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब क्षेत्रीय स्थिरता के साथ-साथ वैश्विक रणनीतिक व्यवस्था को भी प्रभावित करने की क्षमता रखने वाले साझेदार बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा ने यह सिद्ध किया है कि भारत की विदेश नीति अब पारंपरिक कूटनीति तक सीमित नहीं रही, बल्कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक हित, तकनीकी आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व को एक साथ साधने वाली व्यापक रणनीति में बदल चुकी है। ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए ये ऐतिहासिक समझौते इस बात का प्रमाण हैं कि भारत आज विश्व मंच पर आत्मविश्वास के साथ अपनी भूमिका का विस्तार कर रहा है। देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने समान विचार वाले देशों के साथ भरोसे, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित ऐसी मजबूत साझेदारियां विकसित की हैं, जो आने वाले वर्षों में भारत की सामरिक शक्ति, आर्थिक क्षमता और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के ऑस्ट्रेलिया आगमन पर वहां के भारतीय समुदाय ने उनका पारंपरिक उत्साह और आत्मीयता के साथ भव्य स्वागत किया। भारतझ्रऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष की उपस्थिति में मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में लगभग 30 हजार लोगों की अभूतपूर्व उपस्थिति रही, जिसे ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी नेता के संबोधन के लिए जुटी सबसे बड़ी भीड़ में से एक माना जा रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने जहां भारत की तीव्र विकास यात्रा, वैश्विक प्रतिष्ठा और उपलब्धियों को रेखांकित किया, वहीं ह्यऑपरेशन सिंदूरह्ण का उल्लेख करते हुए ऑस्ट्रेलिया की धरती से पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर स्पष्ट और कड़ा संदेश भी दिया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रेलिया को भारत का विश्वसनीय और सच्चा मित्र बताते हुए प्रधानमंत्री अल्बनीज के समक्ष दोनों देशों के निरंतर प्रगाढ़ होते संबंधों तथा साझा सहयोग से निर्मित हो रहे उज्ज्वल भविष्य का उल्लेख किया। निस्संदेह, दोनों देशों के बीच बढ़ती यह रणनीतिक और सामाजिक निकटता वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लिए नए अवसरों और व्यापक लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगी।

-नीरज

बांदा जनपद में जल संरक्षण के अनूठे प्रयास

बुंदेलखंड क्षेत्र, जो मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के सात और मध्य प्रदेश के सात जिलों में फैला है, लंबे समय से जल संकट की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। प्रत्येक वर्ष सूखा अतिथि की तरह आता है। इस क्षेत्र में औसत वर्षा अपेक्षाकृत कम होती है और वर्षा का वितरण भी असमान रहता है। अधिकांश वर्षा का पानी उचित जल संचयन व्यवस्था के अभाव में बहकर निकल जाता है। जल संकट के कारण यहां कृषि उत्पादन प्रभावित होता है, पेयजल की समस्या बढ़ती है, पशुधन पर संकट आता है तथा लोगों को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ता है। इस वर्ष बुन्देलखण्ड के बांदा का तापमान विश्व के सबसे अधिकतम तापमान वाला शहर रहा है। भीषण गर्मी और पानी की कमी से जूझने वाले उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के बांदा जनपद में जल संरक्षण के लिए अनूठे प्रयास किए जा रहे हैं। यहां जल संचयन के लिए पानी की पाठशाला, पानी चौपाल, पानी पंचायत लगाकर तालाबों की साफ-सफाई, श्रम साधना के साथ तालाबों की डिसिल्टिंग कर तालाबों का जीर्णोद्धार कराना अहम है। इस नमूने में जल सेवकों का गठन और जल संचयन हेतु एक कैडर खड़ा करना बड़ा कामहै। प्रायोगिक तौर पर यहां खेतों में बरसात के पानी के संग्रहण की दिशा में भी काम किया जा रहा है। जिले के बबेरू ब्लॉक में पड़ने वाले गांव अंधाव में 'खेत का पानी खेत में- गांव का पानी गांव में' अभियान के तहत जल संरक्षण के लिए नया प्रयोग शुरू किया गया है। बरसात की एक-एक बूंद को सहजने के लिए खेत का पानी खेत में रोकने हेतु खेतों पर मेड़बंदी कराई जा रही है। खेत में मेड बनाकर आगामी बरसात के जल को रोका जाएगा जिससे खेतो में नमी आयेगी, हरियाली बढ़ेगी और गांव का भूजल का स्तर बढ़ेगा। वही गांव के देवन तालाब, झलिया, बजरंग सागर तालाबों का पुनरुद्धार सामुदायिक सहयोग से कराया गया है। इस गांव में श्रम साधना और श्रम दान को लोग पुण्य की डुबकी लगाना मानते हैं। प्रत्येक घर से एक

रामबाबू तिवारी

हाँथ इस पुण्य की डुबकी (श्रम दान) में जरूर जाता है। गांव में तालाब के पुनरुद्धार के उपरांत तालाब को वाटर बैंक का नाम देते हैं।

तालाब की प्रबंध समिति बना कर तालाब के जल का उपयोग किस प्रकार से होगा, तालाब प्रबंध समिति तय करती है। इस अभियान से जुड़े हुए किसानों का कहना है कि किसान अपने लागत से ट्रैक्टर के माध्यम से बरसात की एक-एक बूंद को सहजने के लिए खेतों में मेडबंदी करवा रहे है। अंधाव के अलावा ग्राम पंचायत भभूवा , पिंडारण के किसान भी मेडबन्दी करवा रहे है। किसान सत्य नारायण, स्वतंत्र यादव, कामता यादव, राजा भैया जैसे दर्जनों किसानों ने अपने खेत 10 बीघे से अधिक में मेडबंदी करवाई है। पूर्व के वर्षों में भी किसान ने अपने खेत में मेडबंदी करवाई है। उनके खेत के मेड में पेड़ भी लगाये गये हैं। वे तैयार भी हो रहे है। बरसात की एक-एक बूंद को मेड़बंदी से खेत में रोक जा रहा है। गांव में जल संचयन हेतु गांव के लोगों को जल के स्रोत तालाबों से जोड़ने हेतु प्रत्येक वर्ष कार्तिक पूर्णिमा में "तालाब महोत्सव" का आयोजन भी किया जाता है। इस तालाब महोत्सव में तालाब के किनारे तालाब को बचाने हेतु शपथ भी ली जाती है,कि तालाब को स्वच्छ और निर्मल करेंगे और तालाब नहीं यह सागर है। तालाब के किनारे मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाता है, तालाब की निर्मलता हेतु हम सब गांव वासी एक हैं। तालाब का पूजन कर तालाब का शुक्रिया अदा करते है। तालाब के किनारे अनेक गतिविधियां व आयोजन किए जाते है जैसे- विराट दंगल,आल्हा गीत, लोक गीत, लोक नृत्य, मेला उत्सव, खेल, रामचरित मानस का पाठ आदि- आदि। गांव की समृद्धि और तरक्की का प्रतीक है तालाब। तालाब है तो गांव है, तालाब है तो खेती है। इस गांव में एक एक बच्चा जल संचयन के गुड जानता है। पानी की एक भी बूंद की बबार्दी नहीं होती है। यहां जल साक्षरता का दर अधिक है। गांव के लोग अपना वाटर बजट निकालते है। बुंदेलखंड क्षेत्र के सूखाग्रस्त बांदा जनपद जहां हाल ही इस वर्ष विश्व का सबसे अधिकतम तापमान रहा। वैसे बांदा जनपद का यह गांव अंधाव एक जल संचयन का मॉडल बन गया है। इस गांव में जल संचयन के हो रहे प्रयासों की सराहना भारत के प्रधानमंत्री अपने "मन की बात" रेडियो कार्यक्रम में 27 जून 2021 को कर चुके हैं।

- रामबाबू तिवारी, पर्यावरणविद्

(लेखक वाटर हीरो के सम्मान से सम्मानित हैं।)

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

दिनांक 12 जुलाई 2026 रविवार आषाढ़ कृष्ण त्रयोदशी

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज ही करें!

प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपको एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात ही बना सकें। सितारों की चाल जानकर संभावित चुनौतियों के प्रति पहले से सजग रहना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।

मार्गदर्शन: आचार्य दीदी
डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़
(एस्ट्रो वास्तु शोधनम)
मो. 9119336673

शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या धनु और मीन राशि के जातकों का आत्मबल मानसिक उत्साह और भाग्य का सहयोग बहुत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन साक्षात प्रत्यक्ष देवता भगवान सूर्य नारायण की साधना के लिए विशेष रूप से फलदायी माना जाता है। आज के दिन सूर्य देव को तांबे के पात्र से जल में लाल पुष्प और अक्षत मिलाकर अर्घ्य देना तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करना जीवन में असीम तेज आरोग्यता मान सम्मान और उच्च प्रशासनिक सफलता लेकर आता है।

मेष

आज आपकी सामाजिक साख और व्यावसायिक प्रतिष्ठा में भारी वृद्धि होगी जिससे कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा और सोचे हुए सभी रुके हुए काम गति पकड़ेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में चल रही पुरानी मंदी आज पूरी तरह समाप्त होगी और अचानक नए माध्यमों से प्रचुर धन लाभ होने के सुंदर योग बन रहे हैं। भगवान सूर्य को अर्घ्य दें जिससे आपके मार्ग की सभी बाधाएं हमेशा के लिए दूर होंगी।

वृष

आज का दिन आपके लिए आर्थिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से अत्यंत भाग्यशाली सिद्ध होगा और भूमि भवन से जुड़े पुराने विवाद हल होंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको किसी बड़े और प्रतिष्ठित कार्य की जिम्मेदारी मिल सकती है जिससे मन अत्यंत प्रसन्न रहेगा। गायत्री मंत्र का जाप करें जिससे आपके घर में स्थाई सुख और ऐश्वर्य का वास होगा।

मिथुन

आज आप अपनी तीव्र बुद्धिमत्ता और प्रखर वाणी के बल पर जटिल से जटिल सांगठनिक और व्यापारिक समस्याओं को बेहद आसानी से हल कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें और विशेष रूप से अत्यधिक काम के बोझ के कारण होने वाली शारीरिक थकावट से खुद को बचाएं। सूर्य देव के सम्मुख प्रणाम करें जिससे आपके भाग्य के बंद द्वार शीघ्र खुलेंगे।

कर्क

मानसिक रूप से आज आप खुद को अत्यधिक ऊजार्वान और शांत महसूस करेंगे जिससे किसी बड़े व्यावसायिक निवेश का निर्णय लेने में आपको सफलता मिलेगी। परिवार की ओर से कोई अत्यंत सुखद और गौरवमयी समाचार प्राप्त हो सकता है जिससे पूरे परिवार में उल्लास का माहौल बना रहेगा। माता लक्ष्मी को सफेद पुष्प अर्पित करें जिससे आपकी आर्थिक चिंताएं समाप्त होंगी।

सिंह

आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों या व्यावसायिक साझेदारों के साथ किसी भी प्रकार के व्यर्थ के अहंकार के टकराव से आपको पूरी तरह बचना होगा। वाहन या किसी भी प्रकार की मूल्यवान वस्तु खरीदते समय अपने बजट का विशेष ध्यान रखें और अत्यधिक फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। मस्तक पर लाल चंदन का तिलक लगाएं जिससे राजनीति के क्षेत्र में आपकी ऐतिहासिक विजय होगी।

कन्या

आज आपको मित्रों और वरिष्ठ सहयोगियों की मदद से किसी बड़े नए व्यावसायिक अनुबंध की प्राप्ति होगी जिससे आपकी संचित पूंजी में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा में अपनी कठिन मेहनत का बेहद सकारात्मक और मनोनुकूल परिणाम प्राप्त होने के सुंदर योग बन रहे हैं। पक्षियों के लिए अनाज की व्यवस्था करें जिससे आपके यश में निरंतर वृद्धि होगी।

तुला

आज सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र से जुड़े जातकों का प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा और समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों की हर स्तर पर सराहना होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के सहयोग से कोई बड़ा रुका हुआ पारिवारिक काम आज आसानी से पूरा हो जाएगा। किसी मंदिर में अन्न का दान करें जिससे आपके जीवन के सभी भ्रम दूर होंगे।

वृश्चिक

धार्मिक यात्राओं और देव दर्शन के सुंदर योग बन रहे हैं जिससे आपकी आंतरिक व्याकुलता पूरी तरह शांत होगी और मन को असीम संबल मिलेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें अन्यथा आपको बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पुड सकता है। सूर्य कवच का पाठ करें जिससे आपके मार्ग की सभी गुप्त राजनैतिक बाधाएं दूर होंगी।

धनु

आज सेहत को लेकर विशेष रूप से सावधान रहने की आवश्यकता है क्योंकि अत्यधिक कार्यभार के कारण शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। सगे संबंधियों के साथ धन का बड़ा लेन देन करते समय पूरी सावधानी बरतें और बिना लिखा पढ़ी के कोई बड़ा आर्थिक व्यवहार न करें। महामृत्युंजय मंत्र का मानसिक जाप करें जिससे आपके भीतर एक अद्भुत और नई सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा।

मकर

साझेदारी में चल रहे व्यापार में आज मनोनुकूल प्रगति होगी और नए बड़े व्यावसायिक सहयोगी जुड़ने से आपके काम को बाजार में एक नई गति प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों और पारिवारिक रिश्तों में आपसी तालमेल बहुत मधुर रहेगा तथा सभी सदस्य एक दूसरे की भावनाओं का पूरा सम्मान करेंगे। सूर्य नारायण को जल अर्पित करें जिससे आपके पारिवारिक जीवन के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर होंगे।

कुंभ

आज आप अपने पराक्रम और कुशल कूटनीति के बल पर विरोधियों और शत्रुओं के हर चक्रव्यूह को पूरी तरह से ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। पुराने कानूनी मामलों में आज आपके पक्ष में कोई बहुत बड़ी और सुखद खबर सुनने को मिल सकती है। गाय को हरी घास या भोजन खिलाएं जिससे आपके मन का अज्ञात भय पूरी तरह समाप्त हो जाएगा।

मीन

कला साहित्य लेखन और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिभाओं को आज कोई बड़ा राष्ट्रीय सम्मान या विशिष्ट पहचान मिलने के सुंदर योग बन रहे हैं। संतान पक्ष की शिक्षा या करियर को लेकर चल रही पुरानी चिंताएं आज पूरी तरह समाप्त होंगी जिससे मन को बड़ी राहत मिलेगी। किसी मंदिर में धार्मिक पुस्तक दान करें जिससे आपके सुख और भौतिक साधनों में निरंतर वृद्धि होगी।

आज का वास्तु शोधनम सूत्र

रविवार के दिन घर के मुख्य हॉल में पूर्व की दिशा में उगते हुए सूर्य देव की सुंदर तस्वीर या तांबे का प्रतीक लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा और भयंकर वास्तु दोष पूरी तरह शांत होता है तथा साक्षात सूर्य नारायण की असीम कृपा से परिवार के सदस्यों का आर्थिक संकट दूर होता है और सुख समृद्धि हमेशा बढ़ती रहती है।

संस्कृति विवि: पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी कोर्स कर बनाएं भविष्य उज्ज्वल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

बर्तमान दशक को भारत में हॉस्पिटैलिटी उद्योग का स्वर्णिम युग कहा जा रहा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि वर्ष 2030 तक लाखों नए रोजगार की संभावना है। संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल आफ टूरिज्म और हास्पिटैलिटी से पढ़कर विद्यार्थियों ने देश और दुनिया की प्रसिद्ध श्रंखला के होटलों, रिसोर्टों में उच्च वेतनमान पर नौकरी पाई है।

संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी के डीन डा. रतीश शर्मा बताते हैं कि इसी बढ़ती मांग को देखते हुए संस्कृति विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी में विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप, व्यक्तित्व विकास एवं प्लेसमेंट सहायता प्रदान की जाती है। आज संस्कृति विश्वविद्यालय के विद्यार्थी और पूर्व छात्र संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, मालदीव, कतर, कुवैत, दुबई तथा तुर्की सहित अनेक देशों में प्रतिष्ठित होटलों एवं रिसॉर्ट्स में कार्यरत हैं।

डा. शर्मा के अनुसार तेजी से बढ़ते इस उद्योग को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाला दशक प्रशिक्षित हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स का दशक होगा। ऐसे समय में बी.एससी. (हॉस्पिटैलिटी एंड होटल मैनेजमेंट) केवल एक डिग्री नहीं, बल्कि भारत और विश्व स्तर पर सम्मानजनक, बहुआयामी और वैश्विक करियर का प्रवेश द्वार बन चुकी है। भारत का पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी उद्योग तेजी से विस्तार के दौर में है। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्ष 2030 तक यह देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक क्षेत्रों में

शामिल होगा। बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क, बढ़ता घरेलू पर्यटन, धार्मिक एवं मेडिकल टूरिज्म, वैश्विक होटल ब्रांडों का निवेश तथा बढ़ती आय के कारण प्रशिक्षित हॉस्पिटैलिटी प्रोफेशनल्स की मांग लगातार बढ़ रही है।

उद्योग रिपोर्टों के अनुसार भारत में वर्ष 2030 तक 1,00,000 (एक लाख) से अधिक नए ब्रांडेड होटल रूम विकसित होने की संभावना है।

इसके साथ ही देश में सैकड़ों नए होटल, रिसॉर्ट और आतिथ्य परियोजनाएँ शुरू होंगी, जिनके संचालन के लिए बड़ी संख्या में प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद के अनुसार, वर्ष 2034 तक भारत का ट्रैवल एवं टूरिज्म क्षेत्र लगभग 6.3 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्रदान कर सकता है। यह भारत के सबसे बड़े रोजगार क्षेत्रों में से एक होगा।

विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले वर्षों में हॉस्पिटैलिटी शिक्षा प्राप्त युवाओं के लिए अवसर केवल होटलों तक सीमित नहीं रहेंगे। रोजगार के अवसर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस, एयरपोर्ट ग्राउंड सर्विस एवं लाउंज मैनेजमेंट, अंतरराष्ट्रीय क्रूज लाइन, पाँच सितारा होटल एवं वैश्विक होटल चेन, भारतीय रेलवे एवं रेलवे कैटरिंग सेवाएँ, सेना, नौसेना, वायुसेना तथा ठैथ सहित रक्षा प्रतिष्ठानों की मेस एवं हॉस्पिटैलिटी सेवाएँ, सरकारी एवं निजी अस्पताल, मेडिकल टूरिज्म और हेल्थ एंड वेलनेस सेक्टर, कॉर्पोरेट हॉस्पिटैलिटी एवं फैसिलिटी मैनेजमेंट, इवेंट, कन्वेंशन एवं वेडिंग मैनेजमेंट, ट्रैवल, टूरिज्म एवं डेस्टिनेशन मैनेजमेंट, उद्यमिताकृहोटल, रेस्टोरेंट, कैफे एवं कैटरिंग व्यवसाय के क्षेत्र में भी इनको अवसर मिलेंगे और मिल रहे हैं।

विहिप कार्यकर्ता पर हुए हमले में पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ कोतवाली परिसर में विहिप कार्यकर्ताओं ने किया राम नाम जाप, दिया ज्ञापन

विश्व हिंदू परिषद ने शुक्रवार को शहर कोतवाली पर धरना दिया। परिषद कार्यकताओं की मांग थी कि कोतवाली पुलिस ने विहिप कार्यकर्ता के साथ घटित हुई आपराधिक घटना पर कार्यवाही नहीं की है। परिषद की ओर से कोतवाली पुलिस पर आरोपी को पकडने के बाद बिना किसी पूछताछ और कार्यवाही के कोतवाली से छोड देने का आरोप भी लगाया। कार्यकताओं की ओर से क्षेत्राधिकारी आशना चौधरी को ज्ञापन दिया गया एवं अपराधी पर जल्द कार्रवाई की मांग की गई। इसके बाद कार्यकताओं ने बताया कि क्षेत्राधिकारी आशना चौधरी की ओर से आश्वासन दिया गया है कि इस पूरे प्रकरण में विधि सम्मत कार्यवाही की जाएगी। मथुरा महानगर के कार्यकर्ता शुक्रवार की सुबह मथुरा कोतवाली पहुंचे। कार्यकताओं ाक कहना था कि विहिप मथुरा के प्रमुख सदस्य दीपक के भाई के साथ कुछ दिन पूर्व भूतेश्वर अखाड़े पर चौथ देने की मना करने पर शीतल के साथ मारपीट की गई जिसमें उनका गंभीर चोट आईं। उसके पश्चात पुलिस द्वारा मुकदमा लिखा गया जिसमें उनके शरीर पर गंभीर चोट का भी उल्लेख है परंतु आरोपी पर अभी तक पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई, शहर कोतवाली पुलिस की कार्यशैली के विरोध स्वरूप विश्व हिंदू परिषद मथुरा के महानगर अध्यक्ष नितिन चौधरी की अगवाई में दर्जनों कार्यकताओं के साथ शहर कोतवाली के अंदर राम नाम के जाप के साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया गया एवं सहायक पुलिस क्षेत्राधिकारी आशना चौधरी को ज्ञापन दिया गया एवं अपराधी पर जल्द कार्रवाई की मांग की गई।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में सुलह वार्ता विफल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

■ न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आदेश किया पारित

■ दो बार बुलाने पर भी नहीं पहुंचा मुस्लिम पक्ष, अब पत्रावली जा सकती है सुप्रीम कोर्ट

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण में समझौते की संभावनाओं को तलाशने के लिए आयोजित सुलह वार्ता विफल हो गई है। न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से इस संबंध में गुरुवार को आदेश पारित कर दिया गया। मुस्लिम पक्ष को समझौते के लिए दो बार अवसर दिए जाने के बावजूद वह सुलह वार्ता में उपस्थित नहीं हुआ।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर मथुरा में विशेष लोक अदालत (सुलह वार्ता) का आयोजन किया गया था। इसमें श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण से संबंधित विशेष अनुमति याचिकाओं (एसएलपी) में आपसी सहमति से समाधान की संभावना तलाशने का प्रयास किया गया। सुलहवार्ता की अध्यक्षता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-11) सुरेंद्र प्रसाद ने की। निर्णय के दौरान

सचिव और सदस्य भी मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद केस के हिंदू पक्षकार एवं अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि न्यायालय की ओर से मुस्लिम पक्ष को समझौते की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए दो बार बुलाया गया, लेकिन मुस्लिम पक्ष की ओर से कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद न्यायालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सुलहवार्ता की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए आदेश पारित कर दिया।

महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि हिंदू पक्ष की ओर से न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखा गया। उन्होंने कहा कि हिंदू पक्ष का प्रस्ताव था कि यदि मुस्लिम पक्ष विवादित स्थल से अपना दावा छोड़कर ढांचा हटाने को तैयार होता है तो अन्य स्थान पर मस्जिद निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने पर विचार किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हिंदू पक्ष विवादित स्थल को भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य स्थल मानता है और इसी आधार पर न्यायालय के समक्ष अपने तथ्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत किए गए। उन्होंने बताया कि अब सुलहवार्ता से संबंधित पत्रावली सर्वोच्च न्यायालय भेजी जा सकती है।

महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई के लिए 21, 22 अथवा 23 अगस्त में से किसी भी निर्धारित तिथि पर आगे की प्रक्रिया हो सकती है। अब मामले में आगे का निर्णय सर्वोच्च न्यायालय की प्रक्रिया के अनुसार होगा।

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर आयोजित विशेष लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों में आपसी संवाद और सहमति के माध्यम से समाधान की संभावना तलाशना था। हालांकि श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह प्रकरण में दोनों पक्षों के बीच सुलह का प्रयास किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सका।

स्कूली बस की टक्कर से ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी दो महिलाओं की मौत, 24 लोग घायल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा। थाना राया क्षेत्र के गांव बिरहना के पास शुक्रवार दोपहर बड़ा सड़क हादसा हो गया। पीछे से आ रही एक स्कूली बस ने ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मार दी जिससे ट्रॉली पलट गई। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि 24 लोग घायल हो गए। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई गई है। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राजस्थान के गांव अधैया खुर्द निवासी प्रताप सिंह अपने परिवार के करीब दो दर्जन लोगों के साथ गांव मोनिया हरदपुर में रिश्तेदार के निधन पर शोक व्यक्त करने जा रहे थे। सभी लोग ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार थे।

दोपहर करीब 12 बजे राया अलीगढ़ मार्ग पर बिरहना गांव के पास पीछे से आ रही स्कूली बस ने ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई और मौके पर चीख पुकार मच गई। हादसे में प्रताप नरेंद्र विक्रम रंगीला रजनी अनीता शशि सहित 24 लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रॉली के नीचे फंसे लोगों को बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल एक महिला को आगरा रेफर किया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान शशि और रजनी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

अन्य घायलों का उपचार जारी है। राया थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह ने बताया कि हादसे में घायल सभी लोगों को अस्पताल भेज दिया गया है। दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि स्कूली बस में सवार सभी बच्चे सुरक्षित हैं और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

किसानों की हुंकार: एमएसपी गारंटी और ऋण माफी समेत पांच सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) ने जनपद मथुरा के किसानों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से भारत की राष्ट्रपति महोदया को एक ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन के जरिए संगठन ने केंद्र सरकार से किसानों के हितों की रक्षा के लिए ठोस नीति लागू करने की अपील की है।

ज्ञापन में संगठन ने पांच प्रमुख बिंदु रखे हैं, जिन्हें अविलंब पूरा करने की मांग की गई है। एमएसपी की गारंटी -देश के किसानों की सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी दी जाए। निशुल्क शिक्षा व चिकित्सा में पूरे भारत में किसान, मजदूर और सभी नागरिकों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को पूर्णतः निःशुल्क किया जाए। देशभर के किसानों का संपूर्ण कृषि ऋण माफ किया जाए, ताकि किसान आर्थिक तंगी से उबर सकें। भारत सरकार और अमेरिका के मध्य हुए ट्रेड डील समझौते को तत्काल वापस लिया जाए। पूरे देश में वृद्धावस्था पेंशन की राशि को बढ़ाकर 5,000 प्रति माह किया जाए।

इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अनिल शर्मा (जिलाध्यक्ष), गिरीश कुमार (जिला महासचिव), मुरारी लाल शर्मा, रघुराज सिंह, दीर शर्मा, जगदीश निषाद (तहसील अध्यक्ष), हरीशंकर, मुकेश, कपिल शर्मा, करुआ खान, सुरेन्द्र शर्मा, कृष्ण कान्त भारद्वाज (हाथरस जिलाध्यक्ष) और मयंक भारद्वाज सहित अनेक किसान प्रतिनिधि मौजूद थे।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर सरकार द्वारा सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश अन्तर्देशीय जलयान नियमावली- 2026 के प्रारूप पर प्रस्तुतीकरण बैठक

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित उत्तर प्रदेश अन्तदेर्शीय जलयान नियमावली-2026 के प्रारूप के संबंध में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण प्रस्तुतीकरण एवं विचार-विमर्श बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जनपद स्तर पर प्रस्तावित नियमावली के विभिन्न प्रावधानों से संबंधित अधिकारियों को अवगत कराना तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में सुझाव प्राप्त करना था। बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के नाविकों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया तथा अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए। बैठक में अन्तदेर्शीय जल परिवहन, नौकायन संचालन, यात्री सुरक्षा, लाइसेंसिंग व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, जलमार्गों के सुरक्षित संचालन, पर्यावरण संरक्षण तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद में संचालित समस्त नौकाओं एवं नाविकों का नियमानुसार पंजीकरण, आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, निर्धारित मानकों का अनुपालन तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी कार्यवाही की जाए। साथ ही संबंधित विभागों को शासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुरूप समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा नियमावली के प्रारूप पर अपने सुझाव एवं विचार भी प्रस्तुत किए गए, जिन्हें शासन स्तर पर प्रेषित किए जाने हेतु संकलित किया गया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि प्रस्तावित नियमावली लागू होने के उपरांत अन्तदेर्शीय जल परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाया जा सकेगा, जिससे आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध होंगी। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने कहा कि जनपद मथुरा यमुना नदी तटवर्ती क्षेत्र होने के कारण जलजनित आपदाओं की दृष्टि से संवेदनशील है। ऐसे में नाविकों एवं गोताखोरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने कहा कि नाविकों की सुरक्षा, नावों के संचालन, श्रद्धालुओं की सुविधा, आपदा की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्य आदि हेतु नियमावली आवश्यक है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी नाविकों को सुरक्षा मानकों के अनुरूप नाव/ स्टीमर के संचालन हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि अपने फोन में दामिनी व सचेत ऐप डाउनलोड करें। नाविक अपनी नाव में प्राथमिक स्वास्थ्य किट, लाइफ वाय व अन्य सुरक्षा उपकरण रखें। सभी नाविक वैध पहचान पत्र व लाइसेन्स अवश्य रखें।

लाइफ जैकेट सभी के लिए अनिवार्य है (नाविक एवं यात्री)। सुरक्षा को लेकर यात्रियों को ब्रीफ करें। नाव का रख-रखाव करें। तैरने वाले उपकरण साथ लें। आपदा संकेत संबंधी उपकरण साथ लें। मौसम संबंधी जानकारी लेते रहें। ज्वलनशील वस्तु को सुरक्षित जगह रखें। अन्य नावों पर नजर रखें। संचार उपकरण साथ लेकर चलें। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी नाविकों से अनुरोध किया कि नाव पर अधिक भार न होने दें, नाव में पशुओं के साथ यात्रियों को न बैठाएं, नशे का सेवन न करें, क्षमता से अधिक यात्री न बिठायें, खराब मौसम अथवा तेज हवाओं में नाव का उपयोग न करें, नाव में जल्दबाजी न करें, प्रतिबंधित क्षेत्रों में नाव न ले जाए तथा अधिक तेज गति में नाव न चलाए। जिलाधिकारी नियमावली में नाविकों एवं यात्रियों हेतु बीमा की सुविधा को जोड़ने हेतु आग्रह किया गया उन्होंने कहा कि नाविकों एवं गोताखोर के हितों के लिए नियामवली बनाई जा रही है, जिससे सभी की सुरक्षा की जा सके। उन्होंने नाविकों से कहा कि यात्रियों, अतिथियों एवं आगंतुकों की सुरक्षा आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

नगर आयुक्त जग प्रवेश का हुआ तबादला, मथुरा की कमान संभालेंगे ओजस्वी राज

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

मथुरा-वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त जग प्रवेश का गुरुवार देर रात करीब 12 बजे तबादला कर दिया गया। राज्य सरकार ने उन्हें वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया है। उनके स्थान पर बलिया के मुख्य विकास अधिकारी रहे ओजस्वी राज को नगर निगम का नया नगर आयुक्त बनाया गया है। जग प्रवेश ने 17 मई 2025 को नगर आयुक्त का पद संभाला था। अपने कार्यकाल में उन्होंने सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने, अतिक्रमण हटाने, राजस्व बढ़ाने और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया। साथ ही जलभराव की समस्या के समाधान, सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार और धार्मिक आयोजनों के दौरान

नगर निगम की व्यवस्थाओं को सशक्त करने के प्रयास किए। उनके कार्यकाल में स्वच्छता अभियानों को गति मिली और निगम की कार्यप्रणाली में सुधार देखने को मिला। नवनियुक्त नगर आयुक्त ओजस्वी राज इससे पहले बलिया में मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्य कर चुके हैं। प्रशासनिक अनुभव के आधार पर उनसे नगर निगम की योजनाओं और विकास कार्यों को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनके स्वागत की तैयारी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि वे शीघ्र ही कार्यभार संभालकर चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे और आगे की कार्ययोजना तय करेंगे।

गोलीकांड में वांछित चार आरोपी गिरफ्तार, तमंचा भी बरामद

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

थाना जैंत पुलिस ने जौनाई गांव में हुए गोलीकांड के मामले में फरार चल रहे चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक अवैध 315 बोर का तमंचा भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 5 जुलाई को ग्राम जौनाई में हुए विवाद के दौरान एक व्यक्ति को गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में थाना जैंत पर हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। तभी से पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी थी।

थानाध्यक्ष जैत सोनू बैसला के निर्देशन में पुलिस टीम ने गुरुवार शाम सनसिटी से देवी आट्र्स होते हुए नगला रामताल जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर धनीराम, विवेक, विशाल और अमित, सभी निवासी ग्राम जौनाई, को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान एक अवैध .315 बोर का तमंचा भी बरामद हुआ। पुलिस ने चारों आरोपितों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया।

एसएसपी ने ने डीजीसी शिवराम सिंह को किया सम्मानित

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

एक अभियुक्त को मृत्युदंड तथा तीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाये जाने के मामले में डीजीसी रहे शिवराम सिंह को एसएसपी ने सम्मानित किया। पुलिस लाइन सभागार में डीजीसी जनपद मथुरा शिवराम सिंह को एसएसपी श्लोक कुमार द्वारा थाना फरह पर पंजीकृत हुए धारा 103 (1), 74, 333 बीएनएस के अभियोग में प्रभावी पैरवी करते हुये संलिप्त अभियुक्त को मृत्युदंड की सजा दिलाने तथा तीन अन्य अभियोगों में अभियुक्तों को आजीवन कारावास की सजा दिलाने में अपना योगदान देने के लिए उनकी उत्कृष्ट कर्तव्यपरायणता, पूर्ण मनोयोग व प्रतिबद्धता के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

भाकियू अंबावता ने सौंपा पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारतीय किसान यूनियन अंबावता के जिला अध्यक्ष एवं मंडल प्रभारी आगरा अनिल शर्मा ने राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति के नाम दिया। भारतीय किसान यूनियन अंबावता के दर्जनों कार्यकताओं ने जिलाधिकारी मथुरा द्वारा राष्ट्रपति महोदय को पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम नरेंद्र यादव को सौपा। मंडल प्रभारी आगरा एवं जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया गया है जिसमें भारत के किसानों को सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी दी जाए । पूरे भारत में शिक्षा एवं चिकित्सा की व्यवस्था निशुल्क की जाए। देश के किसानों का संपूर्ण कृषि ऋण माफ किया जाए । भारत सरकार और अमेरिका के मध्य ट्रेड डील समझौता वापस लिया जाए। पूरे भारत में वृद्धा पेंशन 5000 प्रतिमाह की जाए । तहसील अध्यक्ष मांट डॉ. जगदीश निषाद ने कहा कि मांट तहसील में ब्लॉक नौझील ब्लॉक के कई गांव ऐसे हैं जिनके खादर भूमि की ऑनलाइन खतौनी उपलब्ध न होने के कारण फार्मर आईडी नहीं बन रही है जिसके कारण किसानों को खाद नहीं मिल रहा है । जैसे गांव दौलतपुर, बसाऊ एवं इनायतगढ़ की खादर भूमि की ऑनलाइन खतौनी उपलब्ध न होने के कारण वहां के किसानों की फार्मर आईडी न बनने से खाद उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खादर क्षेत्र की समस्त खतौनियों को शीघ्र ऑनलाइन अपलोड कराया जाए तथा फॉर्मर रजिस्ट्री पोर्टल पर उपलब्ध डाटा उपलब्ध कराकर सभी किसानों की फार्मर आईडी बनवाने की तत्काल प्रभाव से व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। इस अवसर पर कपिल शर्मा मंडल उपाध्यक्ष आगरा, गिरीश कुमार चौधरी जिला महासचिव, नरेंद्र चौधरी युवा जिला अध्यक्ष, प्रदीप चौधरी जिला सचिव, डॉ जगदीश निषाद तहसील अध्यक्ष मांट, मुकेश कुमार, प्रशांत, रघुराज सिंह, मुरारी पंडित, दीपक, करुआ, राकेश फौजदार, अमित अग्रवाल, कृष्णकांत भारद्वाज आदि दर्जनों की संख्या में उपस्थित रहे।

आम तोड़ते समय 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

टीएनएफ टुडे, करहल।

थाना क्षेत्र के सिमरऊ गांव में गुरुवार को आम तोड़ने के दौरान एक दर्दनाक हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। हादसे के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही पुलिस और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार सिमरऊ निवासी अखलेन्द्र (13) पुत्र रविन्द्र सिंह गांव के ही एक आम के पेड़ पर आम तोड़ने के लिए चढ़ा था। बताया जाता है कि पेड़ के ऊपर से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन गुजर रही थी। आम तोड़ने के दौरान किशोर अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी करहल अजय सिंह चौहान, थानाध्यक्ष करहल तथा विद्युत विभाग के एसडीओ उपेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है।

क्षेत्राधिकारी अजय सिंह चौहान ने बताया कि आम के पेड़ पर चढ़े किशोर की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मृत्यु हुई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

वहीं विद्युत विभाग के एसडीओ उपेंद्र सिंह ने बताया कि संबंधित लाइन 11 हजार वोल्ट की है। प्रथम दृष्टया किशोर लाइन के संपर्क में आने से हादसे का शिकार हुआ है। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है तथा लोगों से हाईटेंशन लाइनों के आसपास विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है।

भाजपा कार्यालय में नव-नियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता का हुआ भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में हर्ष

टीएनएफ टुडे, एटा।

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता के प्रथम बार जिला भाजपा कार्यालय आगमन पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं द्वारा बेहद जोशीला और भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और गगनभेदी नारों के बीच कार्यकताओं ने अपने चहेते नेता का गर्मजोशी से स्वागत किया।

स्वागत समारोह में पधारे पदाधिकारी और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता ने कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया और संगठन को धरातल पर और अधिक मजबूत करने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की असली रीढ़ हैं और सामूहिक प्रयासों से हम हर चुनौती को पार करेंगे।

बैठक के दौरान आलोक गुप्ता ने दो महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष चर्चा की और कार्यकताओं को दिशा-निर्देश दिए:

वृक्षारोपण अभियान (12 जुलाई): पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए उन्होंने आगामी 12 जुलाई को होने वाले व्यापक वृक्षारोपण अभियान के तहत प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता से कम से कम 10-10 पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्मः पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म' कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तकनीकी रूप से सशक्त होकर ही हम सरकार की नीतियों को जन-जन तक तेजी से पहुंचा सकते हैं। उन्होंने सभी कार्यकताओं को इस प्लेटफॉर्म से सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने कहा कि आलोक भाईसाहब का यह संगठनात्मक मार्गदर्शन हम सभी में एक नई ऊर्जा और संकल्प का संचार करेगा। आपके कुशल नेतृत्व में संगठन को एक नई दिशा और अभूतपूर्व मजबूती मिलेगी। उन्होंने जिले के सभी भाजपा कार्यकताओं से डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म अभियान और आगामी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर मैनपुरी से भाजपा नेता अनुजेश प्रताप सिंह, राहुल राठौर, ब्लॉक प्रमुख विशाल बाल्मिकी, वीरेंद्र सिंह शाक्य, अरुण प्रताप सिंह, भूपेंद्र यादव, सुशील गुप्ता, अमित गुप्ता, अखिलेश सिंह राठौर, नीलम चौहान, कुशल खितौलिया, राधेश्याम धनगर, अम्बरीश सिकरवार, आनंद गुप्ता, मंजू वर्मा, आकाश गुप्ता, अमित मोदी, अंशुल चौहान, रमेश श्योराई, अमृता राजपूत, रमा मिश्रा, कल्पना गुप्ता, सुमित चौहान, मयंक उपाध्याय, नितिन गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता, वेदप्रकाश यादव, मुकेश यादव, दुलारे सिंह भदौरिया, विशाल बाल्मिकी सभासद, प्रभजोत सिंह, सुनील चौहान, अजय गुप्ता सहित अनेक भाजपाई उपस्थित रहे।

मैनपुरी पुलिस अधीक्षक ने ली शुक्रवार परेड की सलामी, पुलिस लाइन और आरटीसी का किया औचक निरीक्षण

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद में पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रखने तथा विभाग में अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के उद्देश्य से शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मैनपुरी, गणेश प्रसाद साहा ने परेड की सलामी ली और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

सलामी के उपरांत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पुलिसकर्मियों को शारीरिक दक्षता परखने के लिए दौड़ लगवाई गई। साथ ही, टर्नआउट को दुरुस्त रखने और एकरूपता बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल की कार्रवाई संपन्न हुई।

परेड की समाप्ति के बाद पुलिस अधीक्षक महोदय ने पुलिस लाइन परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर संबंधित प्रभारियों को स्वच्छता बनाए रखने और सरकारी अभिलेखों के उचित रखरखाव के कड़े दिशा-निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, एसपी ने आगामी प्रशिक्षण सत्र के मद्देनजर मैनपुरी पुलिस लाइन स्थित आरटीसी (रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर) का भी गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आरटीसी बैरक, विद्यालय, भोजनालय, लाइब्रेरी और कंप्यूटर लैब की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। उन्होंने प्रशिक्षण की उच्च गुणवत्ता, कड़े अनुशासन और प्रशिक्षुओं को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

मैनपुरी में 13 जुलाई को होगी सैनिक बंधु की बैठक, पूर्व सैनिकों और आश्रितों से समय पर पहुंचने की अपील

मैनपुरी। जनपद के पूर्व सैनिकों, दिवंगत सैनिकों की विधवाओं और आश्रितों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए आगामी 13 जुलाई को सैनिक बंधु की बैठक का आयोजन किया जा रहा है। ग्रुप कैप्टन (सेवानिवृत्त) एवं जिला सैनिक कल्याण व पुनर्वास अधिकारी आर.के. शर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर बाद 04.30 बजे से शुरू होगी।

जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और आश्रितों से बैठक में समय से प्रतिभाग करने की अपील की है। इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया है कि यदि किसी पूर्व सैनिक या उनके परिजनों की कोई समस्या या शिकायत है, तो वे बैठक की तिथि से पहले ही अपने प्रार्थना पत्र सैनिक कल्याण कार्यालय में जमा करा दें। इससे समय रहते उन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क साधा जा सकेगा और बैठक के दौरान उनका प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर की दुर्दशा पर संगठन ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

जनपद के लगभग 542 वर्ष प्राचीन और ऐतिहासिक श्री शीतला माता मंदिर की बदहाली को लेकर 'सफाई की देवी श्री शीतला माता संगठन' ने गहरा रोष व्यक्त किया है। संगठन की अध्यक्ष डॉ. नूपुर सिन्हा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने अपर जिलाधिकारी (एडीएम) श्यामलता आनंद से मुलाकात कर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा और मंदिर के तत्काल संरक्षण व जीर्णोद्धार की मांग की। सौंपे गए पत्र में रोष जताते हुए कहा गया कि प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह का गृह जनपद होने और लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र होने के बावजूद यह प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार है। इससे पहले भी जनसुनवाई पोर्टल और विभिन्न विभागों में कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन अधिकारियों की उदासीनता के चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

ज्ञापन में मंदिर परिसर की गंभीर ढांचागत और नागरिक समस्याओं को उजागर किया गया है। संगठन ने बताया कि मंदिर का मुख्य शिखर अत्यंत जर्जर हो चुका है, जहाँ खुली हुई लोहे की सरियों से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके अलावा परिसर में स्थित प्राचीन छोटा शिव मंदिर वर्षों से ध्वस्त पड़ा है और मुख्य भवन की इमारत में भी दरारें आ चुकी हैं। नियमित साफ-सफाई न होने से चारों तरफ गंदगी व दुर्गंध का माहौल रहता है, तथा क्षतिग्रस्त नालियाँ खुली होने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम न होने, सीसीटीवी कैमरों के अभाव, जनरेटर का संचालन न होने से बिजली कटते ही अंधेरा छा जाने, मार्ग की स्ट्रीट लाइटें खराब होने और मुख्य मार्ग पर गलत दिशा दिखाने वाले संकेतक बोर्ड (साइन बोर्ड) के कारण बाहर से आने वाले भक्तों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

संगठन ने जिलाधिकारी से मांग की है कि संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित कर मंदिर परिसर का उच्च स्तरीय निरीक्षण कराया जाए और आगामी नवरात्रि पर्व से पहले समन्वय स्थापित कर एक विशेष कार्ययोजना लागू की जाए। उन्होंने मुख्य शिखर को सुरक्षित करने, भवनों के पुनर्निर्माण, निर्बाध बिजली, सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा मार्ग व्यवस्था को दुरुस्त करने का आग्रह किया ताकि इस प्राचीन धरोहर की गरिमा पुनः स्थापित हो सके। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से डॉ. नूपुर सिन्हा, उपाध्यक्ष प्रियंका खीरबाट, रचना जौहरी, कुसुम श्रीवास्तव, प्रिया मेहरोत्रा, रेनू सक्सेना, अंजुल सक्सेना, निहारिका प्रधान, तुनु मिश्रा, आशीष मिश्रा एडवोकेट, राजीव कुलश्रेष्ठ एडवोकेट और डॉ. प्रभात सिन्हा सहित संगठन के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

12 सितम्बर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत, अधिक से अधिक मामलों के निस्तारण

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेशानुसार तथा जनपद न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेश पर आगामी 12 सितम्बर 2026 को जनपद में राष्ट्रीय लोक अदालत का भव्य आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नूतन चौहान ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के लंबित और सुलह योग्य मामलों का त्वरित निस्तारण कराया जाएगा, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिल सके।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत में मुख्य रूप से आपराधिक, विद्युत, जल, दूरभाष और जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े मामलों के साथ-साथ उपभोक्ता फोरम, चकबंदी, मध्यस्थता प्रकरण, और नगर पालिका व नगर निगम टैक्स वसूली जैसे तमाम वादों को नियत करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। सचिव नूतन चौहान ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अपने-अपने विभागों से जुड़े अधिक से अधिक मामलों को चिह्नित कर उनकी सूची तत्काल कार्यालय को प्रेषित करें, ताकि समय रहते सभी आवश्यक तैयारियां पूरी की जा सकें।

थाना बिछवां पुलिस ने तीन वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

बिछबा/मैनपुरी। थाना बिछवां पुलिस ने एक अभियान के तहत लंबे समय से फरार चल रहे तीन वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान ग्राम अंजनी निवासी 34 वर्षीय राजेश उर्फ पंकज पुत्र मकरंद सिंह, 46 वर्षीय सत्यपाल पुत्र अंतराम और 32 वर्षीय उमेश पुत्र वीरपाल के रूप में हुई है।

इन तीनों आरोपियों पर हत्या के प्रयास (धारा 307), बलवा, लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और क्रिमिनल लॉ एमेंडमेंट एक्ट जैसी गंभीर धाराओं के तहत आपराधिक मामले दर्ज थे। थाना प्रभारी आशीष दुबे और उनकी टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम देते हुए आरोपियों को जेल भेजने की प्रक्रिया पूरी की।

मैनपुरी अदालत का बड़ा फैसला

हत्या के चार दोषियों को उम्रकैद, 50-50 हजार रुपये का जुर्माना

टीएनएफ टुडे, मैनपुरी।

फास्ट ट्रैक कोर्ट (एफ.टी.सी.) ने हत्या के एक पुराने मामले में बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए चार आरोपियों को दोषी करार दिया है। माननीय न्यायालय एफ.टी.सी. द्वितीय कोर्ट मैनपुरी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने और पत्रावली पर मौजूद गवाहों व सबूतों के मद्देनजर यह फैसला सुनाया। अदालत ने चारों अभियुक्तों को उम्रकैद यानी आजीवन कारावास की सजा के साथ-साथ प्रत्येक पर 50-50 हजार रुपये का आर्थिक दंड (जुमार्ना) भी लगाया है।

यह पूरा मामला थाना औंछा जनपद मैनपुरी में साल 2017 में दर्ज हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 94/2017 के तहत भारतीय दंड संहिता (भादवि) की धारा 147 (बलवा), 148 (घातक हथियार से लैस होना), 302 (हत्या) और 149 (समान उद्देश्य से किया गया अपराध) के तहत मामला पंजीकृत किया गया था। इस गंभीर वारदात को अंजाम देने वाले सभी दोषी एक ही इलाके के रहने वाले हैं।

सजा पाने वाले दोषियों में महलोई (थाना औंछा, मैनपुरी) के निवासी सत्तार अली, सिराज अली और बंटी शामिल हैं, जो अली जान के पुत्र हैं। इनके साथ ही इसी गांव के निवासी बाबुद्दीन के पुत्र इरफान को भी अदालत ने बराबर का दोषी पाया है। शुक्रवार को अदालत की कार्यवाही के दौरान अभियोजन पक्ष ने मजबूती से गवाहों को पेश किया, जिसके सामने बचाव पक्ष की दलीलें टिक नहीं सकीं। अदालत ने माना कि इन चारों ने कानून का उल्लंघन करते हुए गंभीर अपराध को अंजाम दिया था, जिसके लिए इन्हें समाज में रहने की खुली छूट नहीं दी जा सकती।

कानूनी जानकारों का कहना है कि नौ साल पुराने इस मामले में आया यह फैसला पीड़ित परिवार के लिए एक बड़ी राहत है।

अदालत द्वारा लगाया गया यह अर्थदंड और आजीवन कारावास की यह सजा क्षेत्र में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के लिए एक कड़ा संदेश है कि कानून के शिकंजे से बच पाना मुमकिन नहीं है। फैसले के बाद सभी दोषियों को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है।

निजी वाहनों पर सख्ती, नगर पालिका के वाहनों पर सवाल, बिना फिटनेस और पीयूसीसी कैसे दौड़ रहे वाहन?

एटा। सड़क पर चलने वाले प्रत्येक परिवहन वाहन के लिए वैध फिटनेस प्रमाणपत्र और प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) होना अनिवार्य है। यह नियम केवल निजी वाहनों पर ही नहीं, बल्कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार, नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत तथा अन्य सरकारी विभागों के परिवहन वाहनों पर भी समान रूप से लागू होता है। ऐसे में नगर पालिका परिषद एटा के कुछ वाहनों की फिटनेस और प्रदूषण प्रमाणपत्र समाप्त होने की जानकारी सामने आने के बाद नियमों के पालन पर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद एटा का टाटा टैंकर UP82BT1054 का प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र वर्ष 2025 में समाप्त हो चुका है। वहीं कूड़ा उठाने वाले वाहन UP82AT1778 एवं UP82AT1775 का प्रदूषण प्रमाणपत्र वर्ष 2022 से तथा फिटनेस प्रमाणपत्र वर्ष 2023 से समाप्त बताए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कूड़ा उठाने में प्रयुक्त जेसीबी (UP82T1792) की फिटनेस वर्ष 2016 में समाप्त होने की बात सामने आई है। यदि अभिलेखों के अनुसार ये वाहन अब भी सार्वजनिक सड़कों पर संचालित हो रहे हैं, तो यह मोटर वाहन अधिनियम और केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के अनुरूप नहीं माना जाएगा।

सरकारी और निजी वाहनों पर एक जैसे नियम

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 56 के अनुसार कोई भी परिवहन वाहन वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के बिना सार्वजनिक सड़क पर नहीं चलाया जा सकता। यह नियम सरकारी, अर्द्धसरकारी, नगर निकाय और निजी सभी परिवहन वाहनों पर समान रूप से लागू होता है। केवल सरकारी वाहन होने के कारण किसी वाहन को फिटनेस

प्रमाणपत्र से सामान्य छूट प्राप्त नहीं है।

इसी प्रकार केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के अनुसार सभी मोटर वाहनों के लिए वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) आवश्यक है। बिना वैध पीयूसीसी के वाहन चलाना नियमों का उल्लंघन माना जाता है।

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की जिम्मेदारी

मोटर वाहन अधिनियम के तहत परिवहन विभाग वाहनों की फिटनेस, परमिट, पंजीकरण और अन्य वैधानिक दस्तावेजों की जांच करने के लिए अधिकृत है। वहीं यातायात पुलिस और अन्य अधिकृत पुलिस अधिकारी भी सड़क पर वाहन चेकिंग के दौरान फिटनेस, प्रदूषण प्रमाणपत्र, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर सकते हैं।

यदि कोई परिवहन वाहन बिना वैध फिटनेस या बिना प्रदूषण प्रमाणपत्र के संचालित मिलता है तो उसके विरुद्ध चालान, वाहन को जब्त करने अथवा नियमानुसार अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। यही कार्रवाई सरकारी विभागों के वाहनों पर भी लागू होती है, क्योंकि कानून में इनके लिए अलग व्यवस्था नहीं है।

सड़क सुरक्षा और पर्यावरण पर खतरा

विशेषज्ञों के अनुसार फिटनेस समाप्त होने के बाद वाहन का तकनीकी परीक्षण नहीं हो पाता। इससे ब्रेक, स्टीयरिंग, सस्पेंशन, टायर और अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों में खराबी की संभावना बढ़ जाती है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ता है। वहीं बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहन निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करते, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ सकता है।

उठ रहे हैं समान कार्रवाई के सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यातायात पुलिस और परिवहन विभाग निजी वाहनों के खिलाफ नियमित रूप से अभियान चलाकर बिना फिटनेस और बिना पीयूसीसी वाले वाहनों का चालान करते हैं। ऐसे में यदि किसी सरकारी विभाग या नगर पालिका के वाहन के दस्तावेज भी समाप्त हो चुके हैं, तो उनके विरुद्ध भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। लोगों का कहना है कि कानून सभी के लिए समान है और उसका पालन भी बिना भेदभाव के होना चाहिए।

महाराष्ट्र: संजय राउत ने स्कूल किट खरीद में करोड़ों के घोटाले का किया दावा, सीएम को पत्र लिख जांच की मांग

एजेंसी, मुंबई।

शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवड नगर निगम (पीसीएमसी) में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाया। समय और कैलेंडर 9 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे एक आधिकारिक पत्र में राउत ने आरोप लगाया कि अनिवार्य ई-टेंडरिंग प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का उल्लंघन हुआ। उन्होंने इस मामले में एक वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

पत्र के अनुसार, पिंपरी-चिंचवड के कई स्थानीय पार्षदों ने राउत से मुलाकात कर प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के छात्रों के लिए यूनिफॉर्म, स्वेटर, मोजे, रेनकोट और स्कूल बैग की खरीद में कथित अनियमितताओं की जानकारी दी। राज्य के नियमों के मुताबिक, 3 लाख रुपए से अधिक की किसी भी सरकारी खरीद ई-टेंडर प्रक्रिया के जरिए की जानी चाहिए। हालांकि, राउत ने आरोप लगाया कि सोलापुर स्थित जगदंबा रेडीमेड ड्रेसेस सहकारी संस्था को बिना किसी प्रतिस्पर्धी बोली के सीधे करोड़ों रुपए का ठेका दे दिया गया।

राउत ने बताया कि यह मामला पहले सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था, जिसने स्कूल किट की खरीद के लिए 239 रुपए प्रति यूनिट की दर तय की थी, लेकिन राउत का आरोप है कि पीसीएमसी प्रशासन ने ठेका 814 रुपए प्रति यूनिट की अधिक दर पर दिया। इससे करदाताओं के पैसे से हर किट पर 575 रुपए का अतिरिक्त भुगतान हुआ। राउत ने दावा किया कि इस कथित घोटाले की कुल राशि करीब 400 करोड़ रुपए है। उन्होंने सीधे तौर पर राज्य मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ मंत्री पर इस सौदे को आगे बढ़ाने के लिए राजनीतिक दबाव बनाने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भ्रष्टाचार विरोधी नारे "न खाऊंगा, न खाने दूंगा" का जिक्र करते हुए राउत ने लिखा, ''आपके मंत्रिमंडल के एक वरिष्ठ मंत्री ने नगर आयुक्त पर बिना किसी निविदा प्रक्रिया के अवैध रूप से इस फर्म को ठेका देने का दबाव डाला।''

राउत ने आरोप लगाया कि यह दबाव जनहित के लिए नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ के लिए बनाया गया था। उन्होंने दावा किया कि 50 से 55 करोड़ रुपए की बड़ी रकम संबंधित मंत्रियों तक पहुंची।

उन्होंने बच्चों के लिए स्कूल सामग्री की खरीद में कथित भ्रष्टाचार को बेहद शर्मनाक बताया।राज्य और स्थानीय प्रशासन पत्र के अंत में राउत ने मुख्यमंत्री फडणवीस से मामले की तत्काल जांच कराने और कथित रूप से शामिल मंत्री तथा पीसीएमसी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से जुड़े सभी दस्तावेजी सबूत मुख्यमंत्री कार्यालय को जांच के लिए सौंप दिए गए हैं।

अधिक अल्कोहलयुक्त दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे की होगी अनिवार्यता : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिक मात्रा में एथिल अल्कोहल (इथेनॉल) युक्त औषधीय फॉर्मूलेशनों (दवाओं) के नियमन को सख्त कर दिया। सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य इन दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना और साथ ही वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है।छूटियां व मौसमी आयोजन मंत्रालय ने बताया कि इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित औषधीय फॉर्मूलेशन की टिंचर (अर्क) जैसी कई औषधीय तैयारियों को पहले अनुसूची-के के तहत लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं से छूट प्राप्त थी।

हालांकि, इनमें से कुछ उत्पादों में 80 से 90 प्रतिशत तक एथाइल अल्कोहल होता है, जिससे इनके नशे के उद्देश्य से दुरुपयोग की आशंका रहती है। केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि कुछ राज्य सरकारों ने ऐसे उत्पादों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए इस संबंध में सुझाव और संदर्भ भेजे थे। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार ने तय किया है कि 12 प्रतिशत से अधिक एथाइल अल्कोहल वाली और 30 मिलीलीटर से अधिक पैकिंग में उपलब्ध सभी औषधीय तैयारियां अब अनुसूची-के के तहत मिलने वाली छूट की पात्र नहीं होंगी। इसके परिणामस्वरूप ऐसे उत्पादों के निमार्ता और विक्रेताओं को अब औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करना होगा।

संशोधन के तहत इन औषधीय तैयारियों को ड्रग्स रूल्स, 1945 की अनुसूची-एच1 में भी शामिल किया गया है, जिससे ये अधिक कड़े नियामकीय नियंत्रण के दायरे में आ जाएंगी। अनुसूची-एच1 में शामिल दवाएं केवल पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनर के पर्चे पर ही बेची जा सकेंगी और इनके विक्रय का विस्तृत रिकॉर्ड रखना भी अनिवार्य होगा। मंत्रालय के अनुसार, संशोधित व्यवस्था से अल्कोहल युक्त औषधीय उत्पादों की निगरानी और नियंत्रण मजबूत होगा तथा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इनकी आपूर्ति केवल विनियमित दवा वितरण प्रणाली के माध्यम से ही हो।

इससे इन उत्पादों के दुरुपयोग और गलत इस्तेमाल की आशंका में उल्लेखनीय कमी आएगी जबकि वास्तविक चिकित्सीय जरूरत वाले मरीजों के लिए इनकी उपलब्धता बनी रहेगी। मंत्रालय ने कहा कि यह संशोधन देश की दवा नियामक व्यवस्था को और मजबूत बनाने, औषधीय उत्पादों के विवेकपूर्ण एवं जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने तथा जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। इन विस्तृत संशोधनों को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित किया गया है।

महिलाएं ध्यान दें: दिल्ली में बंद होगी पिंक टिकट, बस में होगा पिंक साहेली स्मार्ट कार्ड ही मान्य

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बसों में 31 जुलाई के बाद पिंक टिकट योजना बंद हो जाएगी। 1 अगस्त से महिलाएं केवल पिंक सहेली एनसीएमसी कार्ड के माध्यम से ही डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। दिल्ली सरकार के अनुसार, दिल्ली में अब तक 15 लाख पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड बनाए जा चुके हैं। कार्ड बनाने की प्रक्रिया 1 अगस्त के बाद भी विभिन्न केंद्रों पर जारी रहेगी। मंत्री पंकज कुमार सिंह ने बताया कि सरकार ने 31 जुलाई से पिंक टिकट जारी करना बंद करने का निर्णय लिया है। 31 जुलाई के बाद पिंक सहेली कार्ड का उपयोग किया जाएगा। यह कदम दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पिंक टिकट महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करते थे। अब यही सुविधा पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड के माध्यम से मिलेगी। इससे यात्रा प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और कुशल बनेगी। सरकार का लक्ष्य है कि सभी पात्र महिलाओं तक यह स्मार्ट कार्ड पहुंचे।

महादेव ऑनलाइन बेटिंग केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 940.77 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच

एजेंसी, नई दिल्ली।

महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज से जुड़े कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 940.77 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्तियां अस्थायी रूप से अटैच की हैं। यह कार्रवाई ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत की है। ईडी के अनुसार, अटैच की गई संपत्तियां विकास गर्ग, उनके परिवार के सदस्यों तथा उनके स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनियों से संबंधित हैं। इनमें रिहायशी मकान, भूमि के भूखंड, इक्विटी शेयर और अन्य प्रतिभूतियां शामिल हैं। यह कार्रवाई महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच का हिस्सा है।

ईडी ने इस मामले की जांच छत्तीसगढ़ के दुर्ग पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर और छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों में दर्ज अन्य एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। इन मामलों में अवैध ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म के संचालकों, प्रमोटरों और उनके सहयोगियों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप लगाए गए हैं।डिमोग्राफि क्स जांच में ईडी को पता चला कि यह बेटिंग सिंडिकेट विदेश से संचालित फ्रेंचाइजी आधारित 'पैनल' नेटवर्क के माध्यम से काम करता था। एजेंसी के अनुसार, इस नेटवर्क के जरिए हर महीने 450 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध कमाई की जाती थी।

ईडी की जांच में यह भी सामने आया कि महादेव ऑनलाइन बुक और स्काईएक्सचेंज से अर्जित कथित अवैध आय को बहुस्तरीय और जटिल वित्तीय व्यवस्था के जरिए वैध धन के रूप में दर्शाया जाता था। इसके लिए नकद राशि, शेल कंपनियों, फर्जी एंट्रियों और कई स्तरों वाले वित्तीय लेनदेन का इस्तेमाल किया गया, ताकि अवैध धन को वैध दिखाया जा सके।

मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह, सीएम रेखा गुप्ता का केंद्रीय मंत्री गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर दक्षिण दिल्ली के महत्वपूर्ण मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने और इसके विकास का कार्य भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में कहा है कि लगभग 8.8 किलोमीटर लंबा मांडी रोड दिल्ली-एनसीआर का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सड़क गलियारा है। यह छतरपुर मेट्रो स्टेशन के निकट महरौली-गुरुग्राम रोड (एनएच-148ए) को दिल्ली-हरियाणा सीमा पर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ता है। यह मार्ग राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और पड़ोसी आर्थिक केंद्रों गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है तथा अंतर-राज्यीय यातायात के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटीटीआईपीईसी) की गवर्निंग बॉडी ने 27 सितंबर 2023 को आयोजित अपनी 68वीं बैठक में मांडी रोड के महत्व को मान्यता देते हुए इसके चौड़ीकरण और व्यापक विकास के प्रस्ताव का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि मांडी रोड के रणनीतिक महत्व, मौजूदा और भावी यातायात मांग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-148ए के साथ इसके सीधे संपर्क को देखते हुए इस सड़क को एनएचएआई के दायरे में लाने पर विचार किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर इसके विकास की जिम्मेदारी एनएचएआई को सौंपी जाए, ताकि इसके विकास के लिए एकीकृत योजना बनाई जा सके, समान इंजीनियरिंग मानकों को अपनाया जा सके और इस महत्वपूर्ण कॉरिडोर का समयबद्ध उन्नयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रतिदिन इस मार्ग का उपयोग करने वाले यात्रियों को बेहतर और अधिक सुगम यातायात सुविधा मिलेगी।

साथ ही दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था और मजबूत होगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से सकारात्मक विचार करने का आग्रह करते हुए इस मामले को आगे बढ़ाने में उनके निरंतर सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की।

शेख हसीना ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की जताई इच्छा, अदालत में आत्मसमर्पण करने का किया दावा

एजेंसी, नई दिल्ली।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की अध्यक्ष शेख हसीना ने कहा है कि वह इस वर्ष दिसंबर में भारत से बांग्लादेश लौटने का इरादा रखती हैं और वहां अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करेंगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी उनके साथ देश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करेंगे। हालांकि उन्होंने अपनी वापसी की कोई निश्चित तारीख नहीं बताई और न ही इस संबंध में किसी आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा की गई है।

अवामी लीग नेताओं पर कार्रवाई का आरोप शेख हसीना ने आरोप लगाया कि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ लगातार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उनके अनुसार, पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं पर विभिन्न मामले दर्ज किए गए हैं, जिसके कारण अनेक लोग सार्वजनिक जीवन से दूर रहने या छिपकर रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि इन परिस्थितियों के बावजूद वह बांग्लादेश लौटकर न्यायिक प्रक्रिया का सामना करना चाहती हैं।

सरकार से किसी तरह की बातचीत से इनकार पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी वापसी को लेकर बांग्लादेश सरकार के साथ किसी प्रकार की प्रत्यक्ष या परोक्ष बातचीत नहीं हुई है। उनके अनुसार, लोकतंत्र, स्वतंत्र चुनाव, राजनीतिक अधिकार और न्याय जैसे मुद्दों पर किसी प्रकार की पर्दे के पीछे बातचीत उचित नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी दावा किया कि बांग्लादेश सरकार उन्हें वापस लाने के लिए भारत को लगातार पत्र भेज रही है। हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें वापस भेजने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि वह स्वयं स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटेंगी। इस दावे पर अब तक बांग्लादेश सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं भारत सरकार ने भी इस विषय पर फिलहाल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है।

पीओके में बढ़ा राजनीतिक तनाव, जेएएसी ने पाकिस्तान सरकार को मांगें मानने के लिए दिया अल्टीमेटम

एजेंसी, मुजफ्फराबाद।

पाकिस्तान के नियंत्रण वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। नागरिक अधिकार संगठन जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर पाकिस्तान की सरकार को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है और मांगें पूरी न होने पर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों की चेतावनी दी है।

38 सूत्रीय मांगों को लेकर बढ़ा दबाव

जेएएसी ने मुजफ्फराबाद तक विशाल मार्च निकालने की घोषणा की है। संगठन की प्रमुख मांगों में पाकिस्तान में बसे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित 12 विधानसभा सीटों को समाप्त करना, जलविद्युत परियोजनाओं की शर्तों की समीक्षा, आवश्यक वस्तुओं पर सब्सिडी और बिजली दरों में कमी शामिल है। संगठन का कहना है कि इन मुद्दों का सीधा संबंध क्षेत्र के लोगों के अधिकारों और आजीविका से है।

चुनाव से पहले गरमाया माहौल

क्षेत्र में आगामी चुनावों के मद्देनजर यह घटनाक्रम विशेष महत्व रखता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि प्रस्तावित प्रदर्शन स्थानीय राजनीति और चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकते हैं। दैनिक जीवन पर असर के दावे स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ सप्ताहों से क्षेत्र में सुरक्षा प्रतिबंधों और अन्य प्रशासनिक उपायों के कारण आम जनजीवन प्रभावित हुआ है। निवासियों ने इंटरनेट सेवाओं, बैंकिंग सुविधाओं और शैक्षणिक गतिविधियों में व्यवधान की शिकायत की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उठे सवाल इस बीच, ब्रिटेन के कुछ राजनीतिक नेताओं ने भी पाकिस्तान की नीतियों और मानवाधिकार संबंधी मुद्दों पर चिंता व्यक्त की है। हालांकि, इन बयानों पर पाकिस्तान की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थिति को शांतिपूर्ण संवाद और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सुलझाना क्षेत्र की स्थिरता के लिए आवश्यक होगा।

ट्रंप की सुरक्षा पर इजरायल का नया दावा, तुर्किये को एफ-35 जेट बेचने को लेकर की अपील

वॉशिंगटन/यरुशलम। अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव के बीच सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को लेकर नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अमेरिकी और इजरायली मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया है कि इजरायल ने अमेरिका के साथ ऐसी खुफिया जानकारी साझा की है, जिसमें ईरान की ओर से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए संभावित खतरे का उल्लेख किया गया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और ईरान की ओर से भी इस संबंध में कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हिम शिवलिंग के अंतर्धान के बाद भी कायम है श्रद्धा, अमरनाथ यात्रा को लेकर उत्साह बरकरार

एजेंसी, कश्मीर।

अमरनाथ यात्रा के प्रारंभिक दिनों में हिम शिवलिंग के प्राकृतिक रूप से अंतर्धान होने की खबर से श्रद्धालुओं में क्षणिक निराशा अवश्य देखी गई, लेकिन शिवभक्तों की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। देश के विभिन्न हिस्सों से पंजीकरण करा चुके श्रद्धालु निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यात्रा पर निकल रहे हैं।

गुफा दर्शन को ही मानते हैं पुण्यदायक यात्रियों का कहना है कि पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन अपने आप में आध्यात्मिक अनुभव हैं। उनके अनुसार, हिम शिवलिंग का बनना और पिघलना प्रकृति के चक्र का हिस्सा है और इससे तीर्थस्थल की महिमा कम नहीं होती। श्रद्धालु गुफा की पावन मिट्टी और अमरगंगा के जल को श्रद्धापूर्वक ग्रहण कर स्वयं को धन्य मानते हैं।

आस्था का केंद्र है पूरी यात्रा

कई श्रद्धालुओं ने कहा कि उनके लिए भगवान शिव किसी एक स्वरूप तक सीमित नहीं हैं। उनका मानना है कि भक्ति का आधार श्रद्धा और भाव है, जो किसी प्राकृतिक परिवर्तन से प्रभावित नहीं होता। इसी कारण यात्रा को लेकर उत्साह पहले की तरह बना हुआ है। यात्रा व्यवस्थाएं जारी प्रशासन और श्राइन बोर्ड की ओर से यात्रा मार्गों पर सुरक्षा, स्वास्थ्य और आवास संबंधी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित की जा रही हैं। श्रद्धालुओं से मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सभी दिशानिर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। अमरनाथ यात्रा एक बार फिर यह संदेश दे रही है कि आस्था केवल प्रतीकों में नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास और समर्पण में भी निहित होती है।

'समझौता हो या न हो, ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे'-नेतन्याहू का धमाकेदार ऐलान

एजेंसी, जेरूसलम।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल किसी भी हाल में ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। उन्होंने कहा कि देश विदेशी खरीद पर निर्भरता कम करने के लिए अपने यहां हथियारों का उत्पादन बढ़ाएगा।

एजेंसी के अनुसार, उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले नहीं किए होते, तो ईरान खुद को हथियारों से लैस कर चुका होता। नेतन्याहू ने घोषणा की कि अगले दस वर्षों में रक्षा बजट में 350 अरब शेकेल

- लेबनान में हिज्बुल्लाह पर शिकंजा, इजरायली सेना बोली -जितनी देर जरूरत होगी, रहेंगे तैनात
- तेहरान पर सख्त निगरानी: नेतन्याहू ने कहा, 'ईरान को हथियारों से लैस नहीं होने देंगे'

(करीब 116 अरब अमेरिकी डॉलर) की बढ़ोतरी की जाएगी। इसका बड़ा हिस्सा वायु सेना पर खर्च होगा। साथ ही हम इजरायल में ही बड़े पैमाने पर हथियार और गोला-बारूद बनाने का उद्योग विकसित करेंगे। उनका कहना था कि इससे विदेशों से खरीद पर निर्भरता कम होगी।

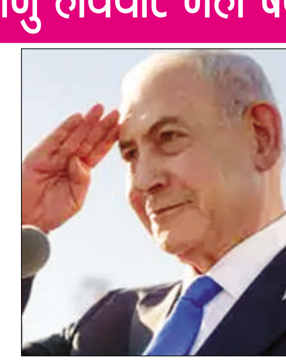

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच फिर से हमले हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ समझौते की संभावना अब खत्म हो चुकी है। इजरायल के सेना प्रमुख एयाल जमीर ने कहा कि इजरायल ईरान और लेबनान की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार है। वहीं रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि सेना पूरी तरह सतर्क है और अभियान दोबारा शुरू करने के लिए तैयार है।

इस बीच, रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने गुरुवार को कहा कि जब तक हिज्बुल्लाह पूरी तरह से हथियार नहीं छोड़ देता, तब तक इजरायली सेना लेबनान में बनी रहेगी। अपने कार्यालय की ओर से जारी बयान में उन्होंने कहा, "लेबनान में प्रवेश करने के लिए हमने किसी से अनुमति नहीं मांगी थी और वहां बने रहने के लिए भी हमें किसी की अनुमति की जरूरत नहीं है।" उन्होंने कहा कि इजरायली सैनिक दक्षिणी लेबनान में जितनी देर जरूरत होगी, उतनी देर तक रहेंगे, जब तक पूरे लेबनान में हिज्बुल्लाह को पूरी तरह निशस्त्र नहीं कर दिया जाता।" काट्ज ने कहा कि इजरायली सेना ने लेबनान में एक मजबूत सुरक्षा क्षेत्र बना लिया है। उनके मुताबिक, यह इलाका पश्चिम में भूमध्य सागर से लेकर दक्षिणी लेबनान के अरनून के पास मौजूद ब्यूफोर्ट किले तक और पूर्व में माउंट हरमोन के आसपास के इलाकों तक फैला हुआ है।

टी20 में भारत की नाकामी पर बीसीसीआई सख्त

इंग्लैंड दौरे के बाद भारतीय टीम की होगी प्रदर्शन की समीक्षा

एजेंसी, नई दिल्ली।

टी20 विश्व कप चैंपियन भारत की लगातार खराब फॉर्म के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बड़ा फैसला लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज गंवाने के बाद बोर्ड ने पुरुष टी20 टीम के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा करने का ऐलान किया है। यह समीक्षा इंग्लैंड दौरे के खत्म होते ही होगी, जिसमें लगातार दो टी20 सीरीज हारने के कारणों और टीम की कमियों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

इंग्लैंड दौरा खत्म होते ही होगी समीक्षा

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि पुरुष टी20 टीम इस समय खराब दौर से गुजर रही है। ऐसे में इंग्लैंड दौरा समाप्त होने के बाद टीम के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा, 'स्थिति बिल्कुल साफ है। इंग्लैंड और उससे पहले आयरलैंड के खिलाफ भारतीय टी20 टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इसलिए सीरीज खत्म होने के बाद हम समीक्षा करेंगे। टीम किन समस्याओं का सामना कर रही है, इसका विस्तार से विश्लेषण किया जाएगा और उन्हें दूर करने की कोशिश की जाएगी।' सैकिया ने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ 19 जुलाई को समाप्त होने वाली वनडे सीरीज के तुरंत बाद समीक्षा बैठक होगी।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर लगातार निराशा

भारत ने पहले आयरलैंड के खिलाफ पहली बार किसी टी20 द्विपक्षीय सीरीज में 0-2 से हार झेली। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर भी टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में भारत को नौ विकेट से हार मिली, जिसके साथ इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों रहे चिंता का विषय

ब्रिस्टल टी20 में कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 80 रन की पारी को छोड़ दें तो बाकी बल्लेबाज खराब शॉट चयन के कारण बड़ी पारी नहीं खेल सके। भारत ने 158/7 का स्कोर बनाया, जिसे इंग्लैंड ने सिर्फ 13.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक (नाबाद 79) और फिल सॉल्ट (नाबाद 59) ने भारतीय गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

रैंकिंग बचाने का

टीम इंडिया की सबसे बड़ी समस्याएं

बीसीसीआई समीक्षा में जिन मुद्दों पर सबसे ज्यादा चर्चा होने की संभावना है, उनमें शामिल हैं-

- शीर्ष क्रम और मध्यक्रम का लगातार विफल होना।
- तेज और सीम मूवमेंट वाली पिचों के अनुसार बल्लेबाजी में बदलाव नहीं कर पाना।
- जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में गेंदबाजी का कमजोर प्रदर्शन।
- लगातार बदलता टीम संयोजन।
- फील्डिंग में गिरता स्तर।

आखिरी मौका

भारत को अब शनिवार को साउथम्प्टन के रोज बाउल में खेले जाने वाले पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। यदि टीम ऐसा नहीं कर पाती है तो पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष स्थान भी गंवा सकती है। इसके बाद भारत 23 जुलाई से जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई की समीक्षा बैठक के फैसलों का असर उस दौरे से पहले टीम पर दिखाई देता है या नहीं।

आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के हाथों हारी सीरीज

टी20 विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम से जिस दबदबे की उम्मीद की जा रही थी, वह नए चक्र की शुरूआत में ही बिखरती नजर आ रही है। पहले आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज गंवाने वाली टीम इंडिया अब इंग्लैंड के हाथों भी सीरीज हार गई है। ब्रिस्टल में मिली हार के साथ भारत ने छह मैचों में पांचवीं हार झेली और पहली बार 2018-19 के बाद लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज गंवा दी।

एम्बाप्पे ने रचा इतिहास, फीफा वर्ल्ड कप में 20 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

एजेंसी, फॉक्सबोरो।

फ्रांस के स्टार फुटबॉलर किलियन एम्बाप्पे ने मोरक्को के खिलाफ खेले गए मुकाबले में इतिहास रच दिया है। एम्बाप्पे फीफा वर्ल्ड कप में 20 मैच खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह इस मेगा इवेंट में सबसे तेज 20 गोल करने वाले खिलाड़ी भी बने हैं। 27 साल के एम्बाप्पे ने बोस्टन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मोरक्को के खिलाफ फ्रांस की 2-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई। पहले हाफ में पेनल्टी चूकने के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 60वें मिनट में शानदार गोल किया। इसके बाद उन्होंने अपने साथी ओस्मान डेम्बेले के लिए दूसरा गोल करने का मौका बनाया। इस जीत के साथ फ्रांस ने वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली। एम्बाप्पे अब फ्रांस के लिए सबसे ज्यादा वर्ल्ड कप मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में भी शामिल हो गए हैं। उन्होंने 20 मैचों के साथ ह्यूगो लोरिस की बराबरी कर ली है, जबकि एंटोनी ग्रीजमैन, ओलिवियर गिरौद और राफेल वरान जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड अभी अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम है, जिन्होंने 30 मुकाबले खेले हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अपने आठवें गोल के साथ एम्बाप्पे ने टूर्नामेंट में अपने कुल गोलों की संख्या 20 कर ली है। उन्होंने 2018, 2022 और 2026 के तीन वर्ल्ड कप में यह उपलब्धि हासिल की। वह वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी के बेहद करीब पहुंच गए हैं। मेसी के नाम 21 गोल हैं और एम्बाप्पे उनसे सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

फ्रांस के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी काइलियन एमबाप्पे ने अपने शानदार प्रदर्शन से फीफा वर्ल्ड कप के महान खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है। तीन वर्ल्ड कप संस्करणों में लगातार बेहतरीन खेल दिखाकर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड हासिल किए हैं। उनकी उपलब्धियां और व्यक्तिगत रिकॉर्ड उन्हें टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे खास खिलाड़ियों में शामिल करते हैं।

विश्व कप 2026 में एम्बाप्पे ने जीत के मामले में भी नया मुकाम हासिल किया। स्वीडन के खिलाफ फ्रांस की जीत के बाद उन्होंने वर्ल्ड कप इतिहास में 15 जीत दर्ज की थीं। इसके बाद पैराग्वे और मोरक्को के खिलाफ जीत के साथ उनकी कुल जीत की संख्या 17 हो गई। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ लियोनेल मेसी हैं, जिनके नाम 20 जीत दर्ज हैं।

मनोरंजन

गौरव खन्ना संग तलाक पर छलका आकांक्षा का दर्द

'लॉकअप 2' में आकांक्षा चमोला ने शिवांगी जोशी और पामेला को बताया कि ऐसा नहीं है कि बच्चा ना चाहने के कारण वह गौरव खन्ना से अलग हो रही हैं। पिछले कुछ महीनों से उन्हें लगातार ट्रोल किया जा रहा था। कई फैंस, ट्रोल करने वालों का कहना था कि आकांक्षा, गौरव खन्ना की जिंदगी खराब कर रही हैं। गौरव को पिता बनना है और आकांक्षा उसे यह मौका नहीं दे रही हैं। इन बातों का आकांक्षा पर गहरा असर हुआ है।

जिंदगी में शांति चाहती हैं आकांक्षा चमोला

आकांक्षा कहती हैं, ह्यजब हम साथ थे, तो भी ट्रोल करने वालों और फैंस को परेशानी थी। अब अलग हो रहे थे तो भी दिक्कत है। वो लोग मुझसे नफरत करते हैं। मुझे कितना कुछ कहा गया। माना हम सेलिब्रिटी हैं, लेकिन शांति हमें भी चाहिए। हम अलग हो रहे हैं तो इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है ह्ल यह कहते हुए आकांक्षा भावुक हो जाती हैं, उनकी आंखों में आंसू आ जाते हैं।

हाल ही में शो 'लॉकअप 2' में बतौर गेस्ट गौरव खन्ना भी नजर आए। यहां आकर उन्होंने आकांक्षा को पूरा सपोर्ट किया। इसके बाद फैंस को समझ नहीं आया कि इस कपल के बीच चल क्या रहा है।

फैंस को अब भी हो रहा है शक

एक तरफ तो आकांक्षा चमोला कर रही हैं, वह पति गौरव खन्ना से एक साल से अलग रह रही हैं। इनका तलाक भी शो से बाहर आने के बाद होगा। वहीं कुछ महीनों पहले वह अपने पति और एक्टर गौरव को ह्यबिग बॉस 19ह्ल में सपोर्ट करती दिखी थीं। दोनों के बीच खूब प्यार नजर आया था। शो जीतने के बाद गौरव और आकांक्षा ने पार्टी की, साथ में जन्मदिन मनाया। सोशल मीडिया पर भी लगातार फोटो साझा कीं। इसी वजह से फैंस को इस सेलिब्रिटी कपल की बात पर शक हो रहा है, वह इ स े पब्लिसिटी स्टंट मान रहे हैं।

इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं: अद्रिजा

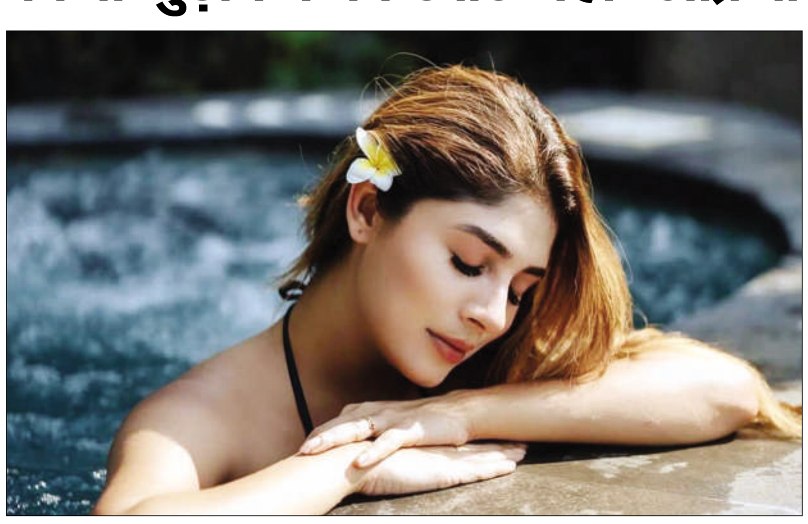

अनुपमा' में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। इस बीच आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अद्रिजा ने प्रोजेक्ट्स को ठुकराने और टीवी की दुनिया में आए बदलावों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। आईएएनएस से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, "मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है।"

जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि किसी एक किरदार की सफलता के बाद क्या कलाकार के एक जैसी भूमिकाओं में बंध जाने का खतरा बढ़ जाता है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं। उन्होंने कहा, "जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अच्छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।"

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, "हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अच्छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।" बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं। उन्होंने कहा, "हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।"

पारिवारिक संस्कारों की नींव पर कम उम्र में सफलता का नया इतिहास रचने वाले मिल्की स्कूप आइसक्रीम के संस्थापकों की कहानी

दयालबाग संस्थान से डेयरी टेक्नोलॉजी की डिग्री लेकर कम उम्र में सफलता का इतिहास रचने वाले कुंडौल के युवा उद्यमी गगन उपाध्याय

शुरूआत में ही लगा कोविड लॉकडाउन फिर भी विवेक उपाध्याय और गगन उपाध्याय के अटूट धैर्य से कैसे बुलंदियों पर पहुँचा मिल्की स्कूप आइसक्रीम ब्रांड

पारिवारिक संस्कारों और तकनीकी शिक्षा के बल पर आइसक्रीम निर्माण से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र तक धाक जमाने वाले आगरा के गगन उपाध्याय पर विशेष आलेख

आपदा को अवसर में बदलने वाले नई उम्र के युवाओं के सच्चे प्रेरणास्रोत मिल्की स्कूप वाले गगन उपाध्याय की अनूठी कहानी

सक्सेस स्टोरी

आज के इस आधुनिक और तीव्र व्यावसायिक दौर में जहाँ सफलता पाने के लिए लोग अक्सर अपनी जड़ों और पारिवारिक मूल्यों को भूल जाते हैं वहीं दूसरी तरफ आगरा की पावन धरा पर एक ऐसे विरले और विलक्षण युवा उद्यमी ने जन्म लिया है जिसने अपने पारिवारिक संस्कारों की मजबूत नींव पर मेहनत का ऐसा महल खड़ा किया है जिसकी चमक आज पूरे क्षेत्र में बिखर रही है। आगरा के कुंडौल निवासी गगन उपाध्याय आज इसी ऊर्जावान और नीतिवान युवा पीढ़ी के सबसे बड़े गौरव बनकर उभरे हैं। गगन उपाध्याय ने बेहद कम उम्र में अपनी अद्भुत कार्यक्षमता और अनवरत पुरुषार्थ के बल पर व्यापार के क्षेत्र में वह अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है जिसे पाने में लोगों की पूरी उम्र गुजर जाती है। वे आज के युवाओं के लिए स्वावलंबन की एक नई और जीवंत मिसाल बन चुके हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र में भी बिखेरा अपनी बहुमुखी प्रतिभा का जलवा

एक सच्चे और दूरदर्शी उद्यमी की पहचान यही होती है कि वह केवल एक ही क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि अपनी बहुमुखी प्रतिभा से नए आसमान छूता है। गगन उपाध्याय जी ने आइसक्रीम निर्माण उद्योग में अपार सफलता प्राप्त करने के साथ साथ इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र में भी बहुत ही सक्रिय और प्रभावी रूप से अपने कदम बढ़ाए हैं। इस बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी ईमानदारी समयबद्धता और उच्च गुणवत्ता के बल पर बहुत ही कम समय में अपनी एक मजबूत और विश्वसनीय पहचान स्थापित की है। क्षेत्र के विकास और आधुनिक निर्माण कार्यों में उनका यह योगदान उनके उज्ज्वल व्यावसायिक भविष्य और उनकी प्रखर निर्माण कला का जीवंत प्रमाण है।

पारिवारिक विरासत और उच्च संस्कारों को सहेजकर हासिल किया ऐतिहासिक मुकाम

गगन उपाध्याय की इस संपूर्ण और भव्य सफलता की सबसे बड़ी पूंजी उनके पारिवारिक संस्कार और बुजुर्गों से मिली सीख है। इतनी कम उम्र में और इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करने के बाद भी गगन के व्यक्तित्व में गजब की विनम्रता सहजता और अपनत्व साफ दिखाई देता है। वे आज भी अपने परिवार की महान सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। कुंडौल क्षेत्र की जनता उनके इसी मिलनसार व्यवहार और समाज के प्रति सेवा भाव के कारण उन पर असीम स्नेह और आशीर्वाद बरसाती है। अपनी कड़ी मेहनत ऊंचे आदर्शों और अटूट संकल्प के बल पर गगन उपाध्याय ने यह सिद्ध कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों और संस्कारों का साथ हो तो सफलता स्वयं आपके कदम चूमती है।

गगन उपाध्याय, विवेक उपाध्याय

दयालबाग संस्थान से ली डेयरी टेक्नोलॉजी की शिक्षा और भाई विवेक उपाध्याय के साथ की शुरूआत

गगन उपाध्याय की इस ऐतिहासिक व्यावसायिक यात्रा की नींव बहुत ही मजबूत और तकनीकी शिक्षा पर आधारित है। गगन और उनके भाई विवेक उपाध्याय ने आगरा के सुप्रसिद्ध दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट से डेयरी टेक्नोलॉजी में बाकायदा डिग्री प्राप्त की है। इस तकनीकी शिक्षा और विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए दोनों भाइयों ने मिलकर मिल्की स्कूप आइसक्रीम स्टार्टअप की नींव रखी। इस ब्रांड के मुख्य संस्थापक उनके भाई विवेक उपाध्याय हैं जिन्हें आइसक्रीम निर्माण और उत्पाद विकास का बहुत ही गहरा और व्यावहारिक अनुभव है। इन दोनों भाइयों की जुगलबंदी ने शिक्षा को सही मायने में एक सफल और आत्मनिर्भर व्यवसाय में बदल कर पूरे आगरा संभाग के सामने एक शानदार उदाहरण पेश किया है।

शुरूआत में ही लगा कोविड का भयंकर लॉकडाउन लेकिन धैर्य और संकल्प से पाई विजय

इस युवा उद्यमी के हौसले और दृढ़ निश्चय की असली परीक्षा तब हुई जब संयोगवश जिस समय इस शानदार स्टार्टअप की शुरूआत हुई ठीक उसी समय पूरे देश में कोविड 19 का भयंकर लॉकडाउन लागू हो गया। वह दौर किसी भी नए व्यवसाय और उद्यमी के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण और कमर तोड़ने वाला था क्योंकि चारों तरफ अनिश्चितता का माहौल था। ऐसी विकट और कठिन परिस्थितियों में भी गगन उपाध्याय और उनके भाई विवेक उपाध्याय ने अपना धैर्य दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास रत्ती भर भी कम नहीं होने दिया। विपरीत हालातों के सामने घुटने टेकने के बजाय दोनों भाइयों ने निरंतर प्रयास जारी रखे और अपनी अटूट मेहनत के बल पर मिल्की स्कूप को एक बेहद सफल और भरोसेमंद आइसक्रीम ब्रांड के रूप में बाजार में स्थापित करके ही दम लिया।

गुणवत्ता और नवाचार को दी सर्वोच्च प्राथमिकता तथा जर्मनी तक फैलाया अपना पूरा काम

आज मिल्की स्कूप ब्रांड की सबसे बड़ी यूएसपी यानी विशेषता उसकी उच्च गुणवत्ता बेहतरीन स्वाद नया नवाचार और शत प्रतिशत ग्राहक संतुष्टि है जिसे दोनों भाई अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हैं। गगन उपाध्याय ने आइसक्रीम निर्माण उद्योग में अपार सफलता प्राप्त करने के साथ साथ इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र में भी बहुत ही सक्रिय और प्रभावी रूप से अपने कदम बढ़ाए हैं। इतनी कम उम्र में और इतनी बड़ी सफलता प्राप्त करने के बाद भी गगन के व्यक्तित्व में गजब की विनम्रता सहजता और अपनत्व साफ दिखाई देता है। कुंडौल क्षेत्र की जनता उनके इसी मिलनसार व्यवहार और समाज के प्रति सेवा भाव के कारण उन पर असीम स्नेह और आशीर्वाद बरसाती है।

नोट- सियासी सिरमौर कॉलम में हम उन व्यक्तित्वों की कहानी प्रकाशित करते हैं जिनके पास 10 सालों का सक्रिय राजनीतिक अनुभव है और संगठन के प्रति अटूट निष्ठा है। अगर आप भी खुद को मानते हैं सियासी सूरमा, तो अपनी कहानी हमें हमारे व्हाट्सएप नबंर 9412359817 पर भेजें।